● वर्ष-2
● अंक-232
रायपुर, शनिवार
20 मई 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

'अदाणी मामले में नहीं मिली कोई गड़बड़ी'

विशेषज्ञ समिति ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली। अदाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि %वर्तमान में सेबी की ओर से मिले आंकड़ों और स्पष्टीकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रथम दृष्टया निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि मूल्यों में हेरफेर या किसी तरह की नियामकीय विफलता हुई है।

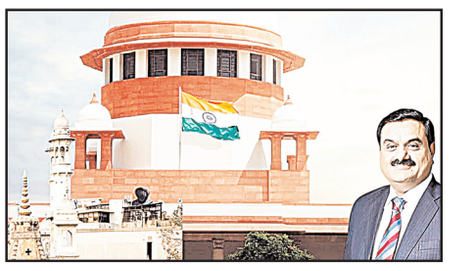

मुकुल रोहतगी का दावा- रिपोर्ट अदाणी समूह के पक्ष में

वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी गठित की थी। इस रिपोर्ट में आरोप था कि अदाणी समूह ने कई गलतियां की हैं। समिति की रिपोर्ट में सारी चीज़ें देखी गई हैं जिसका निष्कर्ष अदाणी समूह के पक्ष में गया है।

क्या है सुको की विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में

विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक ऐसा कुछ नहीं मिला है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि अदाणी ग्रुप ने शेयरों के मूल्यों में कोई गड़बड़ी नहीं की थी। आर्टिफिशियल ट्रेडिंग या एक ही पार्टी द्वारा बार-बार ट्रेडिंग के भी सबूत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक की जांच में मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग का उल्लंघन भी नहीं मिला है। विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सेबी ने 13 विशिष्ट लेनदेन की पहचान की है, जिसकी उसके द्वारा जांच की जा रही है कि क्या वह कानूनी तौर पर मान्य लेनदेन थे या फिर उनमें कोई गड़बड़ी थी। ऐसे में समिति इन लेनदेन पर अभी कोई टिप्पणी नहीं कर सकती।

6 जजों वाली सुप्रीम कोर्ट की इस विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता पूर्व जज एएम सप्रे कर रहे हैं। समिति ने सेबी को तय समय सीमा में जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सेबी ने जांच पूरी करने के लिए छह महीने का अतिरिक्त समय मांगा था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त तक अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में डिस्क्लोजर आधारित काम होता है और डिस्क्लोजर कैपिटल जारी करने या लिस्टिंग के लिए जरूरी बनाए गए हैं। समिति ने कहा कि यह देखने की जरूरत है कि क्या डिस्क्लोजर में निवेशकों के सामने इतनी सारी जानकारी पहुंच जाती है, जिसके चलते बेहद आवश्यक जानकारी पर निवेशकों की नजर ही नहीं पड़ पाती।

कांग्रेस ने रिपोर्ट पर उठाए सवाल

कांग्रेस ने अदाणी मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट पर सवाल उठाए हैं। अदाणी समूह की स्टॉक से कथित छेड़छाड़ मामले में क्लीनचिट दिए जाने पर कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा कि समिति के निष्कर्ष पूर्वानुमानित हैं। लेकिन समूह को क्लीन चिट देने के लिए रिपोर्ट को घुमा देना पूरी तरह से गलत है। अदाणी मामले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराने की आवश्यकता पर बल देते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि उनकी पार्टी का शुरू से यह कहना है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ पैनल के पास मोदानी घोटाले की पूरी जटिलता को उजागर करने के लिए बेहद सीमित विचारार्थ विषय हैं और वह असमर्थ और शायद अनिच्छुक भी होगा।

बीजेपी का तंज, राहुल गांधी के स्क्रिप्ट राइटर झूठ की मशीन

हिंडनबर्ग मामले में अडानी ग्रुप को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित एक्सपर्ट कमेटी को ग्रुप के खिलाफ जांच में कोई सबूत नहीं मिले हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाने के लिए इस मुद्दे को आक्रामक रूप से उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला किया और कहा कि उनके स्क्रिप्ट राइटर को अपनी झूठ की मशीन को बनाए रखने के लिए कुछ और अधिक चीजों के साथ आना होगा।

बजट सत्र के दौरान, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अरबपति गौतम अडानी के साथ प्रधानमंत्री मोदी की कथित निकटता को उजागर करके सत्तारूढ़ भाजपा को घेरने की कोशिश की। यह मुद्दा विपक्षी दलों के लिए एक रैली स्थल बन गया क्योंकि उन्होंने मामले की संयुक्त संसदीय समिति की जांच के लिए दबाव बनाया। जबकि सरकार ने मांगों को नजरअंदाज कर दिया, शीर्ष अदालत ने किसी भी नियामक विफलताओं को देखने और निवेशक सुरक्षा के लिए सुधारों का सुझाव देने के लिए 2 मार्च को एक समिति गठित की थी।

पैनल की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट करते हुए कहा कि भारत के लोगों द्वारा राहुल गांधी और कांग्रेस को %चौकीदार चोर है% कहने और राफेल के खिलाफ अभियान चलाने के लिए कटघरे में खड़ा करने के बाद हिंडनबर्ग रिपोर्ट को लेकर मचाए गए शोर के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अडानी की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति नियुक्त की थी। जिसने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित एक्सपर्ट कमेटी को ग्रुप के खिलाफ जांच में कोई सबूत नहीं मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि अडानी ग्रुप द्वारा शेयर की कीमत में मैनिपुलेशन के कोई सबूत नहीं मिले हैं। राहुल गांधी के स्क्रिपट राइटर को अब अपनी झूठ की मशीन को बनाए रखने के लिए कुछ और अजीबोगरीब चीजों के साथ आना होगा।

इन दिनों

✍ शशांक शर्मा

गोल गोल रानी इत्ता इत्ता पानी

बच्चों का खेल है, जिसमें एक पंक्ति दोहराई जाती है, गोल गोल रानी इत्ता इत्ता पानी। दरअसल इस खेल में बच्चे एक दूसरे का हाथ पकड़कर गोल घेरा बना कर ले में गाते हुए घूमते हैं, बीच में दाम देने वाला खिलाड़ी हाथ की बड़ी तोड़कर भागने की कोशिश करता है। एक मजेदार खेल है। लेकिन रायपुर के महापौर एजाज धेबर ने गोल गोल रानी पंक्ति का प्रयोग नगर निगम रायपुर में यूनीपोल घोटाले की जानकारी देने में अधिकारियों के घुमाए जाने को लेकर दिया है। वैसे सही भी है, जब से कांग्रेस की सरकार बनी है तब से गोल गोल रानी इत्ता इत्ता पानी, का खेल चल रहा है। भाजपा की सरकार की हार के बाद भ्रष्टाचार के दोषियों। को कटघरे में खड़ा करने कई एसआईटी का गठन किया गया। चार साल से ज्यादा का समय बीत गया लेकिन किसी एसआईटी की कोई रिपोर्ट नहीं आई है। कुल मिलाकर गोल गोल रानी इत्ता इत्ता पानी वाला मामला है। राजधानी में पैदल चलने वालों के लिए स्काईवॉक बनाने का काम शुरू हुआ था, कांग्रेस विपक्ष में रहते हुए इसका विरोध किया, कहा इसकी शहर को जरूरत नहीं है। सरकार बनी तो स्काईवॉक के काम को रुकवा दिया गया। करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका है। एक समिति बना दी गई थी, जो चार साल तक गोल गोल रानी करती रही और आखिर में निर्णय दिया कि स्काईवॉक का निर्माण होना चाहिए। अब जो निर्माण हुआ ढांचा था वह धूप और बरसात में बिना उपयोग के जर्जर हो चुका है। ऊपर से निर्माण की लागत भी बढ़ गई है। इसका मतलब है अब न तो स्काईवॉक बनेगा और न ही टूटेगा। करोड़ों रुपए में गोल गोल रानी इत्ता इत्ता पानी का खेल हो गया। यही हाल डी के सुपरस्पेशलिटी अस्पताल को लेकर हुआ, जांच के लिए समिति बनी लेकिन गोल गोल चलती रही। अभी ईडी के मामले में यही हाल है। यूनीपोल लगाने में गड़बड़ी से निगम को 50 करोड़ की चपत लगी है, महापौर कह रहे कि इसकी उनको जानकारी नहीं थी मतलब अधिकारियों ने नियम बदल कर 50 करोड़ रुपए की बंदरबांट कर लिया। अभी पीएससी का मामला उछला है, पिछले चार बरस से लगातार प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवार आयोग के नियम में गड़बड़ी के चलते न्यायालय की शरण में जाते रहे हैं। अब तो परिणाम में ही गोलमाल है। कुल मिलाकर हर जगह गोल गोल रानी इत्ता इत्ता पानी का खेल चल रहा है। ज्यादा गोल गोल घुमाने से चक्कर भी आता है। इस घनचक्कर का असर जनता पर होंगया तो चुनाव वे अपना चक्कर चलाएंगे।

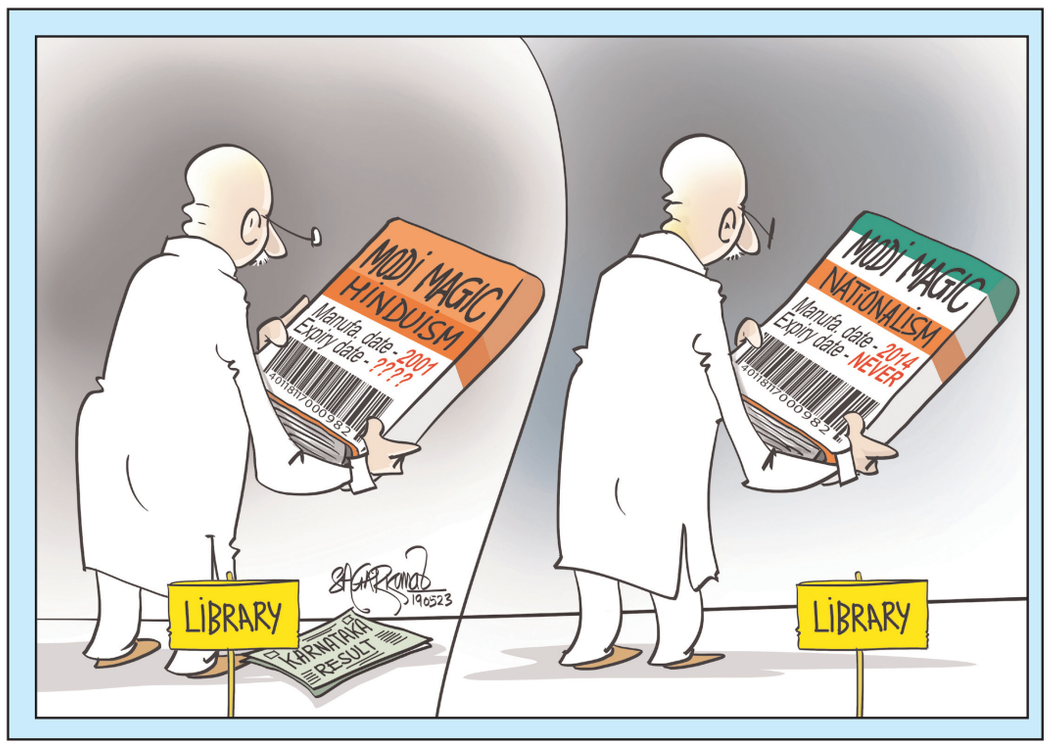

कर्नाटक में शपथ समारोह आज, मंत्रिमंडल पर चर्चा

बेंगलुरु। मनोनीत मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार कर्नाटक के नए मंत्रिमंडल में मंत्रियों को शामिल करने और विभागों के बंटवारे पर चर्चा के लिए शुक्रवार को नई दिल्ली पहुंचे। दोनों कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल के आवास पहुंचे। काफी देर तक यहां मंत्रियों और विभागों को लेकर मंथन हुआ। इस बीच कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने कहा कि मनोनित मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री मंत्री परिषद पर अंतिम निर्णय लेने आए हैं। महासचिव प्रभारी से बात और अंतिम सूची तैयार करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष के पास लेकर जाएंगे। भाजपा को सोचना चाहिए कि वे चुनाव क्यों हारे और उनकी पार्टी में कितनी फूट है। कर्नाटक की जनता ने विकास की लिए मतदान किया है।

इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की एक बैठक में औपचारिक रूप से सिद्धारमैया को अपना नेता चुना गया। इसके बाद उन्होंने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने दावा पेश किया। सिद्धारमैया और शिवकुमार शनिवार को

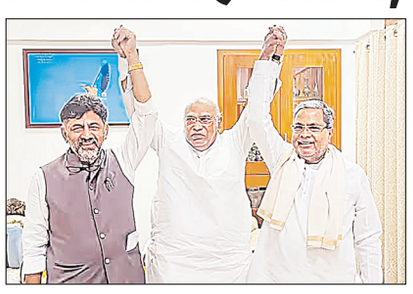

कांटीरावा स्टेडियम में दोपहर 12.30 बजे कुछ मंत्रियों के साथ शपथ लेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि सिद्धारमैया, एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और मैं दिल्ली जा रहे हैं। हम कैबिनेट विस्तार के पहले चरण पर चर्चा करेंगे। इसके बारे में फैसला करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि जनता से किए गए वादों को पूरा करना हमारी प्राथमिकता है। कैबिनेट और बाकी चीजें हम आपको बाद में बताएंगे। किसी अटकलबाजी की जरूरत नहीं है।

विपक्ष के इन दिग्गज नेताओं को कांग्रेस ने नहीं बुलाया

विपक्ष के इन नेताओं को किया गया आमंत्रित

- पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी
- तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन
- बिहार के सीएम नीतीश कुमार
- झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन
- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार
- समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव
- नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुक अब्दुल्ला
- बिहार के उप मुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव
- शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे

इन नेताओं को कांग्रेस ने नहीं बुलाया

शपथ समारोह में बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती, केरल के सीएम पिनराई विजयन, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को आमंत्रित नहीं किया ।

प्रमुख समाचार

प्रशांत मिश्रा और केवी विश्वनाथन ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

केंद्र सरकार द्वारा अधिवक्ताओं की नियुक्ति को मंजूरी देने के एक दिन बाद शुक्रवार को न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और वरिष्ठ अधिवक्ता केवी विश्वनाथन ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। जस्टिस मिश्रा और विश्वनाथन की नियुक्ति की पुष्टि के लिए नए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने ट्विटर का सहारा लिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्ढ) डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा केंद्र को उनके नामों की सिफारिश की गई थी। न्यायमूर्ति मिश्रा ने आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्य किया। विशेष रूप से, विश्वनाथन, 11 अगस्त, 2030 को न्यायमूर्ति जेबी पर्दीवाला की सेवानिवृत्ति पर, भारत के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे और 25 मई, 2031 तक इस पद पर बने रहेंगे, एक पीटीआई रिपोर्ट में कहा गया है।

रिजर्व बैंक दो हजार रुपये के नोट वापस लेगा, 30 सितंबर तक बैंक से बदलवा सकेंगे

नई दिल्ली। आरबीआई ने 2000 रुपये के नोट को चलन से वापस लेने की घोषणा की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंकनोट जारी करना बंद करें। हालांकि 2000 रुपये मूल्यवर्ग के बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे। जानकारी के मुताबिक, क्लीन नोट पॉलिसी के तहत आरबीआई ने यह फैसला लिया है। आरबीआई ने कहा है कि यह नोट 30 सितंबर तक कानूनी रूप से वैध रहेंगे। आरबीआई ने नवंबर 2016 में आरबीआई एक्ट 1934 की धारा 24(1) के तहत ये नोट निकाले थे। रिजर्व बैंक ने नोटबंदी के बाद इन नोटों को जारी किया था। यह फैसला इसलिए लिया गया था ताकि उस समय 500 और 1000 रुपये के जो नोट चलन से हटाए गए थे, उनका बाजार और अर्थव्यवस्था पर असर कम किया जा सके। जब दूसरे मूल्य के बैंक नोट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो गए।

दिल्ली में विभाजन संग्रहालय खुला, इतिहास की भी झलक

नई दिल्ली। दिल्ली में मुगल युग के दारा शिकोह पुस्तकालय भवन में स्थित विभाजन संग्रहालय का 18 मई को उद्घाटन किया गया। इस संग्रहालय में 1947 की त्रासदी की कहानियां और सीमा के दोनों ओर लोगों की पीड़ा और आघात का वर्णन किया गया है। ऐतिहासिक टाउन हॉल में स्थित अमृतसर के विभाजन संग्रहालय के बाद यह दूसरा ऐसा संग्रहालय होगा। इसका उद्घाटन अंतराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर किया गया है। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं विभाग ने आगामी संग्रहालय के बारे में बताते हुए कई ट्वीट किए। विभाजन संग्रहालय में सुभाष चंद्र बोस की भारतीय राष्ट्रीय सेना के खिलाफ पहले मामले का दस्तावेजीकरण करने वाले अखबार की कतरनें, और विभाजन के बाद भारत आने वाले प्रवासियों के अनुभवों को समेटने वाली कई तस्वीरें हैं। विभाजन संग्रहालय इस तरह के सम्मोहक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला प्रदर्शित करता है।

प. बंगाल में द केरला स्टोरी के वितरकों को धमकियां

कोलकाता। द केरल स्टोरी के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने खुलासा किया है कि पश्चिम बंगाल में वितरकों को राज्य में फिल्म नहीं दिखाने के लिए धमकी मिल रही है। फिल्म के प्रोड्यूसर ने

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से एक बार फिल्म देखने का अनुरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा केरल स्टोरी पर पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिबंध पर रोक लगाने के बाद कोलकाता पहुंचे प्रोड्यूसर और निर्देशक यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद तैयारी के साथ हम कोलकाता आए थे। लेकिन यहां आकर हमको अफसोस हुआ कि बहुत से वितरकों ने फिल्म को दिखाने में असमर्थता जाहिर की है। पता चला है कि उनको धमकाया जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी और अंडमान-निकोबार की तरफ बढ़ा मानसून

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी मानसून बंगाल की खाड़ी, निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण अंडमान सागर के कुछ हिस्सों की ओर बढ़ गया है। मौसम विभाग का कहना है कि केरल में एक जून को मानसून का दस्तक प्रस्तावित था। लेकिन अब इसमें थोड़ी देरी हो सकती है। विभाग ने बताया कि दक्षिण बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और अंडमान और निकोबार के कुछ और हिस्सों में अगले तीन-चार दिनों तक मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून अब चार जुलाई को केरल में प्रवेश करेगा। भारत एक कृषि प्रधान देश है। भारत की जीडीपी में 15 प्रतिशत योगदान कृषि क्षेत्र का है। मानसून खेतों में पानी और फसलों को हरा-भरा करने के साथ-साथ जलाशयों और भूजल स्तर को भी रिचार्ज करने में मदद करता है। साउथ एशियन सीजनल क्लाइमेट आउटलुक फोरम के अनुसार मानसून के दौरान भारत की लगभग 18.6 प्रतिशत आबादी को सामान्य से कम बारिश का सामना करना पड़ सकता है।

सावरकर की जयंती के दिन नए संसद भवन का उद्घाटन, संयोग या रणनीति?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मई को नए संसद भवन का उद्घाटन करेंगे। जितनी चर्चा नए संसद भवन की है, उतनी ही चर्चा उस तारीख हो रही है, जिस दिन संसद भवन का उद्घाटन किया जाएगा। दरअसल, 28 मई को स्वतंत्रता सेनानी विनायक दमोदर सावरकर की जयंती है और उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी नया संसद भवन राष्ट्र को समर्पित करेंगे। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि यह महज संयोग है या फिर इसके पीछे भी भाजपा की कोई रणनीति है!

ाजनीति में बिना रणनीति के कुछ भी नहीं होता है। वीर सावरकर देश के नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमाम अड़चनों के बावजूद कम समय में देश को ये कर दिखाया है।% उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश

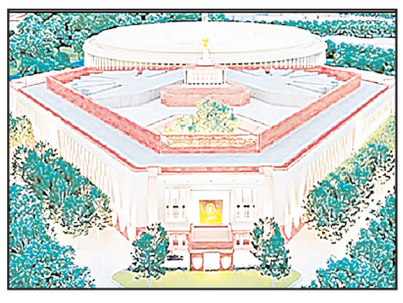

है। लोकतंत्र का मंदिर संसद होता है। अभी जो संसद की इमारत है उसे अंग्रेजों ने बनवाया था। अब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम कुछ नया करने जा रहे हैं। नया संसद भवन मजबूत लोकतंत्र का प्रतीक होगा। मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया का नारा देकर प्रधानमंत्री ने ये साफ कर दिया है कि भारत को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है।

संसद का पिछला सत्र सत्ता और विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया था। कांग्रेस समेत कई दल अदाणी मामले में जेपीसी की मांग कर रहे थे तो सरकार विदेश में राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर माफी की मांग कर रही थी। इस बीच राहुल गांधी को जब मानहानि के मामले में सजा सुनाई गई, तो उन्होंने यह कहकर माफी मांगने से इनकार कर दिया था कि %वह गांधी हैं, सावरकर नहीं।% साल 2019 में जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर टिप्पणी की थी तो भाजपा ने राहुल से माफी की मांग की थी। हालांकि, राहुल गांधी ने तब भी यह कहकर माफी मांगने से इनकार कर दिया था कि %मेरा नाम राहुल गांधी है, राहुल सावरकर नहीं।% राहुल गांधी पहले भी सावरकर और आरएसएस पर सवाल उठा चुके हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि सावरकर ने अंग्रेजों की मदद की थी।

भाजपा लगातार विनायक दामोदर सावरकर को अपने आइकन के रूप में पेश करती आई है। इसकी वजह ये है कि भाजपा राष्ट्रवाद के साथ हिंदुत्व को साथ लेकर राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। ऐसे में सावरकर भाजपा के लिए सबसे मुफीद साबित होते हैं। भाजपा के कुछ नेता तो सावरकर को भारत रत्न देने की भी मांग भी कर चुके हैं। माना जा रहा है कि सावरकर जयंती पर नए संसद भवन का उद्घाटन करके भी भाजपा, सावरकर को विमर्श के केंद्र में लाना चाहती है। इसे राहुल गांधी और कांग्रेस

महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर नजर

महाराष्ट्र की राजनीति में विनायक दामोदर सावरकर एक बड़ा नाम हैं। यही वजह है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना, कांग्रेस के साथ गठबंधन के बावजूद वीडी सावरकर को लेकर कोई समझौता करने के लिए तैयार नहीं है। महाराष्ट्र में जल्द ही निकाय चुनाव होने हैं। बीते दिनों जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की मौजूदा एकनाथ शिंदे सरकार पर सवाल खड़े किए, उससे राज्य में उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लिए सहानुभूति पैदा हो सकती है। ऐसे में हो सकता है कि भाजपा वीडी सावरकर के सहारे अभी से ही राज्य की राजनीति को साधने में जुट गई हो।

तारीख चुनने के मामले में भाजपा का रिकॉर्ड

भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री के पिछले अहम फैसलों पर गौर करें तो पाएंगे कि वे कोई भी तारीख बहुत सोच-समझकर तय करते हैं। जैसे पांच अगस्त 2019 को केंद्र की भाजपा सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया था। इसके एक साल बाद पांच अगस्त 2020 को ही प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी थी। सात साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अचानक से पाकिस्तान पहुंचकर सभी को चौंका दिया था। पीएम मोदी 25 दिसंबर को पाकिस्तान पहुंचे थे। इस दिन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ का जन्मदिन था।

भाजपा का चलबो गोठान खोलबो पोल कार्यक्रम आज से

धमतरी जिला भाजपा की कार्यसमिति की बैठक संपन्न, पोल खोल अभियान, संपर्क, सम्मेलन, प्रेस वार्ता एवं सम्मान सहित होंगे अनेक कार्यक्रम

धमतरी। भारतीय जनता पार्टी जिला धमतरी की कार्यसमिति बैठक गुरुवार को जिला भाजपा कार्यालय मे संपन्न हुई। बैठक प्रभारी पूर्व सांसद चंदूलाल साहू ने प्रदेश संगठन द्वारा आगामी 30 जून तक के विभिन्न कार्यक्रमों के विषय मे विस्तार से बताते हुए सभी से इन कार्यक्रमों मे सहभागिता देने हेतु कहा। 20 से 25 मई तक चलबो गोठान खोलबो पोल कार्यक्रम के तहत जिले के सभी गोठानों पर अलग अलग नेताओं के नेतृत्व मे भ्रष्टाचार की पोल खोलने बड़ा कार्यक्रम किया जायेगा। 23 एवं 24 मई को मंडल कार्यसमिति बैठक सभी मंडलों मे संपन्न होगी। मोदी के स्वर्णिम 9 वर्ष पूर्ण होने पर विभिन्न कार्यक्रम 1 जून से 30 जून तक होंगे।

इस अभियान के तहत संपर्क से समर्थन, लोकसभा स्तरीय विशाल जनसभा, प्रेस वार्ता, लोकसभा स्तरीय प्रबुद्ध सम्मेलन, सोशल मीडिया इंफ्लूएन्सर मीट, व्यापारी सम्मेलन, विकास तीर्थ, विधानसभा स्तरीय वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ भोजन एवं परिचर्चा, मोर्चा का संयुक्त सम्मेलन, लाभार्थी सम्मेलन, योग दिवस

कार्यक्रम, 23 जून डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि पर मोदी जी वीसी पर बूथ स्तरीय कार्यक्रम, 20-30 जून घर घर संपर्क अभियान इत्यादि कार्यक्रम किये जायेंगे।

इस अभियान के जिला संयोजक कविन्द्र जैन तथा सह संयोजक प्रकाश बैस एवं भानु चंद्राकर होंगे । बैठक मे जिला संगठन प्रभारी नीलू शर्मा ने सभी पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री के भेंट मुलाकात कार्यक्रम तथा शराब घोटाले को लेकर प्रभावी विरोध प्रदर्शन के लिए आभार माना और साथ ही सबसे आग्रह किया कि चुनाव तक परिश्रम की पराकाष्ठा करें। विधायक श्रीमती रंजना साहू ने मुख्यमंत्री के द्वारा धमतरी की उपेक्षा किये जाने पर आक्रोश व्यक्त किया । जिलाध्यक्ष शशि पवार ने सभी कार्यक्रम के लिए अलग अलग स्तर पर प्रभारी बनाकर घोषणा की तथा कार्यक्रम की पुरी रूपरेखा अपने संबोधन मे प्रस्तुत की। विधानसभा प्रभारी राजीव पाण्डे ने कार्यकर्ताओं को बैठकों मे अनिवार्य रूप से उपस्थित होने को कहा। संचालन कविन्द्र जैन ने किया एवं आभार प्रदर्शन प्रकाश बैस ने किया।

बैठक में रामु रोहरा, पिंकी शाह,श्रवण मरकाम ,निरंजन सिन्हा,रघुनंदन साहू,नेहरू निषाद ,महेंद्र पंडित,अर्चना चौबे,दिनेश्वरी नेताम,आराधना नागेंद्र शुक्ला ,हेमलता शर्मा, नम्रता माला पवार,चंद्रकला साहू, दुगेश्वरी साहू,दुर्गा साहू, श्रीमती झमित सिन्हा,राधा साहू,अनीता ध्रुव, डा बिथिका बिस्वास,कमल डागा ,भानु चंद्राकर,राजेंद्र गोलछा,नरेश सिन्हा, संतोष तेजवानी, अरविंदर सिंह मुंडी,मोहन नाहटा, वामन साहू, अजय यादव, संजय मरकाम, रोहिताश मिश्रा, हेमंत चंद्राकर, पूरन धृतलहरे, विजय यदु, रामायण सिन्हा, मोनिका देवांगन, रेशमा सेख, ज्योति साहू, अनीता यादव, विजय साहू, उमानंद कुंभकार, शत्रुघ्न पांडे, रामगोपाल साहू,श्याम साहू,रामस्वरूप साहू, आकाश गोलछा, नरेश यादव, पवन गजपाल, आनंद यदु, भरत भूषण, प्रभात बेस, लोमस कुमार साहू, त्रिलोक चंद जैन,चैतन्य गिरी,पन्ना चंद्राकर, टेकराम साहू, थानसिंह साहू, अकबर कश्यप, मोहन पुजारी,हुमित कुमार, अमित अग्रवाल, भुनेश्वर सिंह ध्रुव, आकाश पांडे, कुलेश्वर चंद्राकर, आदर्श चंद्राकर ,प्रभात बेस, टिकेश साहू, चेतन हिंदुजा, हेमराज सोनी, आशीष सिंह, बशीर अहमद, शिवप्रताप सिंह, डेनिश चंद्राकर,भगत यादव, चिरौंजी साहू, देवकी आशा, नागेंद्र शुक्ला नगरी, मनोहर मानिकपुरी, राकेश चौबे, अजय नाहटा, महेंद्र नेताम, राजेश गोसाई, निखिल साहू, नरसिंह मरकाम, कैलाश सोनकर, दिग्विजय सिंह ध्रुव, तेलेश्वर ठाकुर, महेश गोटा, भवन लाल साहू, मिलन नेताम, खुबलाल ध्रुव, प्रेमलाल टोडर, मुरारी यदु, कोमल यादव, अमनराव, विनय जैन, विनोद पांडे, अखिलेश सोनकर उपस्थित रहे ।

दुर्ग जिला भाजपा कार्यसमिति बैठक हुई

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के पश्चात दुर्ग जिला भाजपा की कार्यसमिति बैठक 19 मई को धमधा के होटल कृष्णा पैलेस में प्रदेश भाजपा द्वारा विशेष जनसंपर्क अभियान के लिए दुर्ग लोकसभा संयोजक प्रेमप्रकाश पाण्डेय पूर्व विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़, दुर्ग लोकसभा सह संयोजक दयावंत बांधे प्रदेश महामंत्री भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा छत्तीसगढ़ को सुनिश्चित किया गया है, जिनकी विशेष उपस्थिति तथा राजीव अग्रवाल जी जिला प्रभारी के मार्गदर्शन एवं जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा की अध्यक्षता में उक्त बैठक आहूत की गई। आयोजित होने वाले जिला कार्यसमिति बैठक को लेकर आज दुर्ग जिला भाजपा की वर्चुअल बैठक जिलाध्यक्ष जितेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें जिला संगठन प्रभारी राजीव अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा विधायक रंजना की कार पलटी

धमतरी। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। बीजेपी विधायक धमतरी विधायक रंजना साहू सड़क हादसे का शिकार हो गई है। गनीमत रही कि वो सड़क हादसे में बाल-बाल बच गई। ये

हादसा नेशनल हाइवे 130 सी में झरिया बहारा के पास हुआ। मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ये हादसा साइड देते समय गाड़ी के अनियंत्रित होने की वजह से हुआ। फिलहाल मामूली रूप से घायल विधायक का मैनपुर अस्पताल में इलाज चल रहा है। वो बिंद्रानवागढ़ विधायक डमरुधर पुजारी के यहां एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गई। विधायक रंजना साहू अपने कार्यकर्ताओं के साथ बिंद्रानवागढ़ के पूर्व विधायक डमरुधर पुजारी के घर एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रही थीं। इस दौरान गरियाबंद जिले के मैनपुर के पास तेज रफ्तार आ रहे हाईवा से बचने के चक्कर में ये हादसा हुआ। कार ड्राइवर ने जैसे ही वाहन को सड़क किनारे उतारने की कोशिश की। इस दौरान कार किनारे में गड्ढे में गिरकर पलट गई।कार में विधायक समेत पांच लोग बैठे हुए थे। गनीमत रही कि इस हादसे में विधायक समेत लोगों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों का मैनपुर अस्पताल में इलाज जारी है।

सरदा में पेयजल संकट गहराया, समस्या का निराकरण नही होने से ग्रामीणों में नाराजगी

■ **जल जीवन मिशन के कार्य जल्द पूर्ण नहीं होने पर किसान नेता ने उग्र आंदोलन की दी चेतावनी**

बेमेतरा। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सरदा में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों में खासी नाराजगी है । आए दिन पावर पंप के जवाब देने से ग्रामीणों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है । वही जल जीवन मिशन के कार्यों में लेटलतीफी का भी खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है । ग्रामीणों के अनुसार करीब 2 साल में जल जीवन मिशन के कार्य पूर्ण नहीं हो पाए हैं । केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर को नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति करना है लेकिन अधिकारी व ठेकेदारों की लेटलतीफी योजना के क्रियान्वयन पर भारी पड़ रही है । इस संबंध में ग्रामीणों ने किसान नेता योगेश तिवारी से शिकायत कर जल संकट के निराकरण की मांग की है । ग्रामीणों ने किसान नेता को बताया कि ग्राम सरदा में विगत 2 महीने से दिनोदिन जल संकट गहराता जा रहा है । इस सम्बंध में ग्राम पंचायत व पीएचई में बार-बार शिकायत के बावजूद समस्या के निराकरण को लेकर अब तक कोई कदम नही उठाए गए ।

ग्राम सरदा की 5 हजार आबादी को 8 पावर पम्पो से जलापूर्ति की जा रही है । ग्रामीणों ने किसान नेता को बताया कि इनमें

से ज्यादातर पावर पंप बंद पड़े हैं ।

जो आबादी के अनुपात में नाकाफ ी साबित हो रहा था । किसान नेता ने बताया कि सरदा के अलावा ग्राम पाहन्दा, हथपान, सिंगदेही, अतरगड़ी, आन्दू, देवरी, जौंग, भटगांव, साल्हेपुर, रामपुर, खर्रा, कुम्ही समेत अन्य गांवो में भी जल संकट गहराने लगा है । किसान नेता ने बताया कि समस्या के निराकरण के लिए सम्बंधित पीएचई के अधिकारियों से फोन पर सम्पर्क करने पर, कॉल रिसीव नही किया जाता है । ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल की व्यवस्था के कारण दैनिक दिनचर्या प्रभावित हुआ है । पेयजल के लिए अलसुबह और रात में गांव के महिला व पुरूष को करीब डेढ़ किलोमीटर दूर गौठान जाना पड़ता है । महिलाएं सारा काम छोड़कर पानी की व्यवस्था करने में लगी रहती हैं । ऐसी स्थिति में लोगो की प्रशासन के खिलाफ नाराजगी बढ़ती जा रही है । ग्रामीणों के अनुसार पंचायत व जिला प्रशासन पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा देने मे नाकाम रहा है । जानकारी के अनुसार गांव में जलापूर्ति के लिए 8 सरकारी पावर पंप है । लगातार गिरते भूजल स्तर के कारण पावर पम्प जवाब दे चुके हैं, उनमे से पानी निकलना बंद हो गया है ।

पहली बार सत्र से पहले स्कूलों को बांटी गई यूनिफॉर्म और किताबें

कवर्धा। प्रदेश में पहली बार शिक्षा सत्र शुरू होने से

पहले ही स्कूलों में निःशुल्क पाठ्य पुस्तक व यूनिफॉर्म बांट दी गई है। दरअसल, ऐसा पहली बार हुआ कि स्कूल खुलने से पहले ही यह काम किया गया है। वहीं 16 जून को शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों को पाठ्य पुस्तक व यूनिफॉर्म वितरण किया जाएगा।

कबीरधाम जिले के कक्षा एक से लेकर 8वीं तक के बच्चों को इसका लाभ मिलेगा। नवीन शिक्षा सत्र में कक्षा पहली से 8वीं तक के सभी पात्र विद्यार्थियों को दो-दो सेट निःशुल्क यूनिफॉर्म का वितरण शाला प्रवेश के प्रथम दिन से ही किया जाना है। छत्तीसगढ़ राज्य हाथ करघा विकास व विपणन सहकारी संघ द्वारा यूनिफॉर्म तैयार की गई है। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्देशित किया है कि यूनिफॉर्म वितरण का शाला प्रवेश के समय ही हो। हाथकरघा संघ द्वारा कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए संकुल स्तर पर वितरण कार्य के लिए गणवेश सेट के परिवहन के लिए जरूरी वाहनों का निर्धारण यथा समय पूर्व सुनिश्चित कर ली गई थी। कबीरधाम जिले में कक्षा एक से लेकर 8वीं तक के बच्चों की संख्या करीब 1.20 लाख है।

10वीं तक के बच्चों को मिलेगी पुस्तकें

विद्यार्थियों को शासन की ओर से निःशुल्क पाठ्य पुस्तक प्रदान किए जाने की प्रक्रिया पर तेजी से अमल शुरू कर दिया है। पाठ्यपुस्तक निगम के डिपो से पुस्तकें शासकीय, मान्यता प्राप्त तथा निजी स्कूलों के कक्षा 1 से लेकर 10वी तक के विद्यार्थियों के वितरण के लिए हाईस्कूलों व संकुलों को प्रदान की जा रही हैं। मुद्रित पुस्तकों को जिलों के डिपो में और वहां से हाई स्कूलों और संकुलों में भिजवाना शुरू कर दिया है।

महापौर ने किया 24.06 लाख रू. की लागत से डामरीकरण मरम्मत कार्य का भूमिपूजन

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न वार्डो में सड़क डामरीकरण का मरम्मत एवं संधारण मद से वार्षिक दर निर्धारण अंतर्गत दयानंद स्कूल से पोड़ीबहार होते हुए खरमोरा नीम चौक तक डामरीकृत सड़क का मरम्मत कार्य महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद जी द्वारा किया गया। राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में स्थित कुल 02 करोड़ 25 लाख रूपये की लागत से सड़क डामरीकरण के मरम्मत कार्य किए जाने हैं, इसी कड़ी के अंतर्गत आज 24.06 लाख रूपये लागत के कार्य का भूमिपूजन किया गया।

महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि वार्ड क्र. 29 व 31 के बीच दयानंद पब्लिक स्कूल से खरमोरा नीम चौक तक 2.40 किलोमीटर सड़क के मध्य कुछ हिस्से टूट-फुट होने से उनका सुधार कार्य किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी को कार्य के पूर्णता हेतु वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व 10 जून तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए है। डामरीकरण कार्य में किसी भी प्रकार की गुणवत्ता से समझौता न किया जावे, इस प्रकार का निर्देश अधिकारियों को दिये।

वार्ड पार्षद श्री प्रदीप जायसवाल ने महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि

आज चल रहे डामरीकरण व सुधार कार्य से हमारे वार्ड के लोगों को बहुत ही सुविधा हो जाएगी, पोड़ीबहार से खरमोरा नीम चौक तक की बीच की सड़क खराब हो जाने से आवाजाही में आमजनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। महोदय द्वारा डामरीकरण कराए जाने से अब वार्ड क्र. 29 व 31 के लोगों को आवागमन में सुविधा हो जाएगी, इस हेतु मैं वार्डवासियों की तरफ से महापौर को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूँ।

इस अवसर पर निगम के सभापति श्री श्यामसुंदर सोनी, मेयर इन काउंसिल सदस्य संतोष राठौर, सुखसागर निर्मलकर, एम.आई.सी.सदस्य व पार्षद प्रदीप जायसवाल, एल्डरमेन आरिफ खान, अर्चना उपाध्याय, बी.एन.सिंह, अमरूदास महंत, अनवर रजा, मनहरण राठौर, छोटेलाल यादव, दारा सिंह चौहान, मोहित चन्द्रा, मुन्ना ठाकुर, कुमार सिंह कंवर, लछीराम देवांगन, चेतन दास मानिकपुरी तथा निगम के अधिकारी कर्मचारीगण आदि के साथ ही वार्डवासी उपस्थित थे।

महापौर ने वार्ड क्रमांक 27 का किया सघन दौरा

नगर पालिक निगम क्षेत्रान्तर्गत निरन्तर किये जा रहे दौरों की श्रृंखला में आज वार्ड क्र. 27 रामनगर एवं गायत्री नगर में निगम अधिकारियों के साथ दौरा किया। इस दौरान गायत्री नगर वासियों द्वारा गर्मी के इस भीषण मौसम में अपनी पानी की समस्या से महापौर जी को अवगत कराया। उन्होंने जानकारी दी कि यहां पर पाईप लाइन नहीं बिछाया गया है, अतः आमजन द्वारा यहाँ पर पाईप लाईन बिछाकर पानी आपूर्ति कराने की माँग बस्ती वासियों द्वारा की गई। बस्ती वासियों की समस्या सुनने के पश्चात माननीय महापौर द्वारा जलापूर्ति हेतु कार्यपालन अभियंता श्री आर. के. माहेश्वरी एवं सहायक अभियंता राकेश मसीह को निर्देश देते हुए कहा कि - उक्त बस्ती में जलापूर्ति की स्थाई व्यवस्था किया जाना सुनिश्चित करें एवं वर्तमान में तात्कालिक रूप से यहाँ के रहवासियों को इस समस्या से निज़ात दिलाने हेतु टेंकर से जलापूर्ति करवाया जाना सुनिश्चित करें।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

कुएं में गिरा भालू वन विभाग की टीम ने निकाला बाहर

सूरजपुर। रामानुजनगर के ग्राम पंचायत तेलाईमुड़ा में शुक्रवार की आज सुबह जंगल से भागकर आए भालू को देखते ही गांव वाले उसे भगाने लगे इसी आपाधापी में जान बचाता भालू गांव में कुएं में गिर गया जिसे वन विभाग ने रेस्क्यू कर कुएं से बाहर निकाला और उसे वापस जंगल में छोड़ दिया। प्राप्त समाचारों के अनुसार यह पूरा वाक्या जिले के तेलाईमुड़ा ग्राम का बताया जा रहा है। बताया जाता है कि शुक्रवार की सुबह ग्रामीणों की नजर जंगल से भरकर गांव में घुस आये भालू पर पड़ी और उन्होंने हल्ला कर अन्य ग्रामीणों को बुला लिया और भालू को भगाने उसके पीछे दौड़ पड़े। ग्रामीण भालू को खदेड़ रहे थे उसी समय गांव के ही एक कुएं में भाग रहा भालू गिर गया। इस पूरे वाक्ये की जानकारी वन विभाग के अधिकारियों को जैसै ही मिली तत्काल वन विभाग के डीएफओ व रेंजर अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और वहां पर भालू को कुएं से बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया और काफी मशक्कत के बादम भालू को कुएं से निकालने में सफलता हासिल हुई।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, एसपी से की न्याय मांग

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में चपरासी की नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। यह मामला पिपरिया थाना क्षेत्र का है। जहां नौकरी दिलाने के नाम पर तीन लोगों से साढ़े चार लाख रुपए की ठगी हुई है। इस मामले को लेकर पीड़ितों ने एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है। मामला वर्ष 2021 का है। एसपी ऑफिस पहुंचे पीड़ित लालजी पिता कार्तिकराम चंद्रवंशी निवासी झलमला, विनोद पिता मोहन चंद्रवंशी निवासी खपरी और अघनू पिता गंगाराम चंद्रवंशी ग्राम आंछी के रहने वाले हैं। पीड़ितों ने बताया कि आरोपी जीवन पिता दुखू कामड़े निवासी राजनांदगांव और कन्हैया चंद्रवंशी निवासी रैतापारा (पंडरिया) ने उनके बेटों को एसबीआई में चपरासी की नौकरी लगाने का झांसा दिया। इसके लिए ठगों ने 1.50- 1.50 लाख की डिमांड की। भरोसा जीतने के लिए आरोपियों ने 50 रुपए के स्टाम्प पर लिखकर दिया था कि नौकरी नहीं लगने पर रकम लौटा देंगे।

डीईओ, जनपद सीईओ और एसडीओ को शोकाज नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

मुंगेली। जिले में सभी निर्माणाधीन कार्यों को बरसात से पहले पूरा करें। इसमें लेट-लतीफी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर राहुल देव जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने स्कूलों के मरम्मत कार्य में गंभीरता नहीं दिखाने पर जिला शिक्षा अधिकारी तथा आरईएस पथरिया के एसडीओ और राशनकार्ड बनाने के कार्य में लापरवाही बरतने पर जनपद पंचायत सीईओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने और जल जीवन मिशन के कार्य में तेजी लाने व समय-सीमा में पूरा करने के भी निर्देश दिए। इसी तरह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना आदि के साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का जिले में क्रियान्वयन के संबंध में जानकारी ली।

विकास व आमजन को सुविधाएं दिलवाना ही सर्वोपरि : आयुक्त

चिरमिरी। चिरमिरी नगर पालिक निगम की महापौर कंचन जायसवाल ने सोमवार को नगर निगम के पार्षद/एल्डरमैन सहित जनप्रतिनिधियों के साथ महापौर कार्यालयीन कक्ष में नगर निगम की नवनियुक्त आयुक्त लवीना पाण्डेय को नगर निगम चिरमिरी में पदभार ग्रहण के बाद शिष्टाचार मुलाकात कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। महापौर कंचन जायसवाल ने सभी उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ निगम आयुक्त से क्षेत्र के मूलभूत सड़क, पानी, बिजली, साफ-सफ़ाई,निगम के निर्माण कार्य को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने, राजस्व की वसूली मे तेजी लाने, नगर निगम से समय-समय पर शासन को मांग पत्र भेजने जैसे अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की। वही निगम आयुक्त लवीना पाण्डेय ने कहा कि जितने भी कार्य बैठक में बताए गए है, उन सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ हल कराया जायगा, उन्होंने आगे कहा कि शहर के विकास कार्यो को गति प्रदान करना ही मेरी पहली प्राथमिकता होगी । शहर का विकास व आमजनों को बेहतर सुविधाएं पहुँचाना ही मेरे लिए सर्वोपरि होगा।

रोमा भारद्वाज ने ग्रामीण महिलाओं से किया मुलाकात

कसडोल। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद फूलों देवी नेताम के आदेशानुसर प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं बिलाईगढ़ विधानसभा के प्रभारी सुश्री रोमा भारद्वाज द्वारा अपने प्रभार क्षेत्र में प्रथम बैठक लिया जिसमे महिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष श्रीमती गौरी भृगु नेतृत्व में बलौदा बाजार-भाटापारा जिला अंतर्गत बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सोनाखान ब्लॉक के सुदूर वनांचल ग्राम ढेबी में महिला ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीमती सोना दिवान के तत्वाधान में बैठक आयोजित की गई। जिसमे महिला प्रदेश सचिव सुश्री रोमा भारद्वाज द्वारा महिला सशक्तीकरण की बात करती हुई। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं एवं कार्यों के बारे बताते हुए। आगामी विधानसभा 2023 एवं लोकसभा 2024 चुनाव में कांग्रेस सरकार को वोट दिलाने एवं विजय दिलाने की बात किए। जिसमें कविता, ललिता, राम मोती, राधिका मोहनमोर्य, ईंदरोतिन कावेरी, अलदिती, सावित्री, सहोदर, गंगोत्री, सुशीला फूलकंवर आदि उपस्थित रहीं।

बसपा की सरकार बनी तो बच्चों की निशुल्क शिक्षा देंगे: रामजी

■ **उतई में बसपा का दुर्ग ग्रामीण विधानसभा स्तरीय पधाधिकारी व कार्यकर्ता सम्मेलन सम्पन्न**

दुर्ग। दशहरा मैदान उतई में बसपा के दुर्ग ग्रामीण विधानसभास्तरीय पदाधिकारी व कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन गुरूवॉर को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए केन्दीय को आर्डिनेटर व राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम ने कहा कि आपको तन मन धन से मन लगाकर पार्टी के लिये कार्य करना पड़ेगा।बोट हमारा राज तुम्हारा अब नही चलेगा।देश को आजाद हुए 76 साल हो गया है।76 साल में बी जे पी व कांग्रेस ने कोई भला नही किया है। छग में2023 में बी एस पी की सरकार लाना है।चुनाव का समय आ गया है।

चुनाव के समय पालतू तीतर आयेगे। जिनकी बाते नही सुनना है।आज भी दलित भेदभाव.झेल रहे है।बाबा साहेब ने सविधान में लिखी है।सविधान में

दलितों पिछडो व आदिवसियों व अन्य गरीब समाज के लिये लिखा गया है।उसको लागू नही करते।दबे कुचले परिवार के लिये कार्य नहीं करते। बसपा की महिलाओ व पुरुषो के भीतर ललक है।बी एस पी को मानने वाले है।जांबाज साथी है।2023 में अपना हक व अधिकार लेकर रहेंगे। यही वोट हमारा अधिकार है। श्री गौतम ने आगे कहा कि बाबा साहेब ने कहा था कि अपने मत का उपयोग सही दिशा में करना है।लेकिन बाबा साहेब की मनसा के अनुरूप कार्य नही हो रहा है।2023 का चुनाव हक व अधिकार दिलाने वाला होगा।उप्र में बहन मायावती जी ने अपराधियो को जेल में डाल दी थी।हमारी सरकार आई तो बच्चो को शिक्षा निषुल्क करेगे।भूमिहीनों को हम दो दो एकड़ जमीन देंगे। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए छग के बसपा प्रभारी एन.पी आहिरवार ने कहा कि छग में अन्य पार्टी की सरकारों ने समाजिक व आर्थिक रूप से लोगो को मजबूत करने का प्रयास नही किया।मुख्य सत्ता की चाबी को अन्य पार्टी के नेता छुपाने का कार्य करते है।मत का बसपा के लिये करे । बहन मायावती ने गरीबो को जमीन दिलवाने क्रार्य किया।सम्मेलन में प्रमुख रूप से प्रदेस प्रभारीओ पी बाजपेयी,,प्रदेश अध्यक्ष हेमन्त पोयाम, महासचिव् लता गेडाम, ,दीपक चन्द्राकर जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष लोकेश महलवार,बंटी चौरे,सन्तु प्रसाद यादव, कृष्ना कोसेवाडा मुकेश महिलाग सहित अन्य बसपा नेता व कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बसपा की प्रदेस महासचिव् लता गेडाम व आभार प्रदर्सन दीपक चन्द्राकर ने किया।

चिरमिरी में जीवनदीप समिति की बैठक विधायक की अध्यक्षता में हुई सम्पन्न

चिरमिरी। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डोमन हिल चिरमिरी के जीवन दीप समिति की साधारण सभा एवं सामान्य सभा की बैठक मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमे अतिथि के रूप में चिरमिरी नगर निगम की महापौर कंचन जायसवाल,सभापति गायत्री बिरहा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों,जीवनदीप समिति के अध्यक्ष,सचिव एवं सदस्यों के द्वारा विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई तथा चर्चा उपरांत सभी विषयों पर सार्थक निष्कर्ष निकला ।

बैठक में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने 30 बिस्तर का हमर अस्पताल,नि:शुल्क सोनोग्राफी मशीन का

शुभारंभ किया एवं अनेकों स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि हेतु भौतिक सत्यापन, आय व्यय का लेखा-जोखा, सहित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रसव कक्ष में महापौर निधि से,ष्ट लगवाने एवं पार्षद निधि से आईपीडी के लिए स्वष्ठ टीवी प्रदाय करने मे सहमति दी गई।

विधायक डॉ. विनय के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के श्व.ष्ट.त्र. मशीन का उद्घाटन किया गया एवं निर्देशित किया गया कि यह सुविधा सभी मरीजों के लिए नि:शुल्क रहेगी।अन्य कार्यों हेतु भी विधायक एवं महापौर द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। अस्पताल प्रबंधन एवं व्यवस्थाओं का सुचारू रूप से संचालन के लिए समय-समय पर जीवनदीप समिति की बैठक की जाती है ।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डॉ विनय जायसवाल, जीवनदीप समिति के अध्यक्ष महापौर श्रीमती कंचन जायसवाल, सभापति श्रीमती गायत्री बिरहा ,एल्डरमैन नगर निगम ,पार्षद गण नगर निगम ,आयुक्त श्रीमती लवीना पांडे नगर निगम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सुरेश तिवारी, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ राकेश वर्मा, जीवनदीप समिति सचिव डॉ निधि चौरसिया, जीडी हुसैन,सुश्री पूर्णिमा तिवारी एवं अस्पताल के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

किरेन रिजिजू ने संभाला पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का जिम्मा

नईदिल्ली। किरेन रिजिजू ने आज पृथ्वी विज्ञान मंत्री के रूप में अपना कार्यभार संभाल लिया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को गुरुवार को कानून और न्याय मंत्रालय से पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष की आलोचनाओं पर भी करारा प्रहार किया। उन्होंने अपना पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से बातचीत में बताया कि विपक्ष निश्चित रूप से मेरी आलोचना करेगा। विपक्ष मेरे खिलाफ बोल रहा है यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह स्थानांतरण कोई सजा नहीं है, यह सरकार की योजना है, यह पीएम मोदी का दृष्टिकोण है। रिजिजू ने आगे कहा, पीएम मोदी ने मुझे इससे पहले भी मुझे कई अलग-अलग विभागों की जिम्मेदारी दे चुके हैं। दरअसल, किरेन रिजिजू के मंत्रालय में बदलाव के बाद विपक्ष के कुछ नेताओं ने उनपर निशाना साधा था। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने रीजीजू को 'नाकाम मंत्री' कहा।

एमवीए में लोकसभा सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तय नहीं

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के अनुसार आगामी साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के साथ सीटों के बंटवारे के फार्मूले को अंतिम रूप देना फिलहाल बाकी है। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में शिवसेना द्वारा जीते गए 19 सीटें अभी भी उनकी पार्टी के पास ही है। नांदेड़ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राउत ने कहा- 2019 लोकसभा चुनाव में शिवसेना ने महाराष्ट्र के 48 सीटों में 18 सीटें जीती थी, वहीं दमन और दीव में एक जीत जीतने में कामयाब हुई थी। शिवसेना ने महाराष्ट्र में पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीती थी। हालांकि, 13 एमपी सीएम एकनाथ शिंदे गुट के शिवसेना में शामिल हो गए थे। राउत का मानना है कि भले ही कुछ मौजूदा सांसदों ने पाला बदल लिया है, लेकिन सीटें शिवसेना ने जीतीं और वे हमारे साथ रहेंगी। उन्होंने बताया कि एनसीपी द्वारा जीती गई चार सीटें और कांग्रेस द्वारा जीती गई एक सीट भी उनके पास ही रहेगी।

सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण से ममता बनर्जी की दूरी

कोलकाता। कर्नाटक में 20 मई को नए मुख्यमंत्री के तौर पर सिद्धारमैया शपथ लेने जा रहे हैं। कांग्रेस शपथ ग्रहण समारोह को शक्ति प्रदर्शन के रूप में दिखाना चाहती है। इसलिए कांग्रेस की ओर से विपक्षी दलों के नेताओं को भी शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। ममता बनर्जी को भी शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए कांग्रेस की ओर से आमंत्रित किया गया था। ममता बनर्जी ने कांग्रेस के इस निमंत्रण को स्वीकार किया। साथ ही साथ ममता बनर्जी ने सिद्धारमैया और कांग्रेस को कर्नाटक में सरकार बनाने के लिए बधाई भी दी। लेकिन कहीं ना कहीं ममता बनर्जी खुद इस शपथ ग्रहण समारोह से दूरी बनाती हुई दिखाई दे रही हैं। ममता बनर्जी की जगह सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में तृणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष दस्तीदार शामिल होंगी। इस बात की जानकारी तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डेरेक ओ ब्रायन ने दी है।

भाजपा के लोग बिहार से सबसे ज्यादा डरे हुए : तेजस्वी यादव

पटना। राजद प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू यादव अपनी पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के तहत उनका बयान दर्ज करवाया। ईडी द्वारा राबड़ी देवी से पूछताछ पर बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कहा कि इसमें आश्चर्य वाली क्या बात है। कर्नाटक चुनाव खत्म हो चुका है। भाजपा के लोग 2024 (चुनाव) को लेकर सबसे ज्यादा बिहार से डरे हुए हैं। उसी को लेकर ये लोग कार्रवाई कर रहे हैं। अभी मेरा चार्जशीट में नाम नहीं है लेकिन हो सकता है सप्लीमेंट्री चार्जशीट कर दें और उसमें मेरा भी नाम जोड़ दें। तेजस्वी यादव ने कहा कि पहले भी ये सब हुआ है। जनता सब देख रही है, जान रही है। कोई फर्क नहीं पड़ता है। सांच को आंच की जरूरत नहीं होती। तेजस्वी यादव ने याद दिलाते हुए कहा कि कितनी बार रेड पड़ चुका है, कितनी जांच एजेंसियों ने रेड मारा उसका आंकड़ा नहीं है। जांच एजेंसी को भी नहीं पता होगा कि कितनी बार छापा मारा है।

जल्द हो सकता है महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार

मुंबई। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में अगले सप्ताह मंत्रिमंडल विस्तार होगा। सूत्रों के मुताबिक शिंदे खेमे के आठ नेताओं के मंत्री बनने की संभावना है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना से 40 विधायकों ने बगावत कर ली थी। इसके बाद तत्कालीन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपना इस्तीफा दे दिया था। तब एकनाथ शिंदे भाजपा के समर्थन के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। उसके कई दिनों तक महाराष्ट्र में मंत्री पद खाली रहा। 9 अगस्त 2022 को एकनाथ शिंदे की कैबिनेट का पहला विस्तार हुआ। इसमें 18 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई थी। इन 18 विधायकों में 8 भाजपा के थे जबकि 8 शिंदे गुटके थे। अब माना जा रहा है एक बार फिर से महाराष्ट्र में कैबिनेट का विस्तार होगा और इसमें आठ शिंदे गुट के विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जाएगी। इस कैबिनेट विस्तार में भाजपा की ओर से कोई मंत्री बनेगा या नहीं, इसको लेकर चीजें साफ नहीं हो पा रही।

जी-7 समिट में उपस्थिति विशेष रूप से अहम: मोदी

भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा है : प्रधानमंत्री

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जापान में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में उनकी उपस्थिति विशेष मायने रखती है, क्योंकि भारत इस समय जी20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है। तीन देशों की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना होने से पहले एक बयान में मोदी ने कहा कि वह जी7 देशों और अन्य आमंत्रित साझेदारों के साथ दुनिया के सामने मौजूद चुनौतियों और उनसे सामूहिक रूप से निपटने की जरूरत पर विचारों के आदान-प्रदान को लेकर उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मैं हिरोशिमा जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करूंगा। मोदी ने कहा कि उन्हें अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा से मिलकर बेहद खुशी होगी।

जापान रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर विचारों के सार्थक आदान-प्रदान की उम्मीद करता हूं। उन्होंने बताया कि वह जापान से पापुआ न्यू गिनी के पोर्ट मोरेस्बी जाएंगे। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की प्रशांत क्षेत्र के इस द्वीपीय देश की पहली आधिकारिक यात्रा होगी। मोदी 22 मई को पोर्ट मोरेस्बी में पापुआ न्यू गिनी के प्रधानमंत्री जेम्स मरापे के साथ भारत-प्रशांत द्वीप समूह सहयोग मंच (एफआईपीआईसी) के तीसरे शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। उन्होंने कहा, मैं आभारी हूं कि सभी 14 प्रशांत द्वीपीय देशों (पीआईसी) ने इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। एफआईपीआईसी की शुरुआत 2014 में मेरी फिजी यात्रा के दौरान की गई थी। मैं पीआईसी नेताओं के साथ उन मुद्दों पर बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं, जो हमें साथ लाते हैं, जैसे कि जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास, क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं कल्याण, बुनियादी ढांचा और आर्थिक विकास। पापुआ न्यू गिनी से ऑस्ट्रेलिया के शहर सिडनी रवाना होने से पहले मोदी कई द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। उनकी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ भी द्विपक्षीय बैठक होगी। मोदी ने कहा कि अल्बनीज के साथ बैठक 'हमारे द्विपक्षीय संबंधों का जायजा लेने और मार्च में नयी दिल्ली में आयोजित पहले भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन का प्रभाव जानने' का अवसर होगी। उन्होंने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और शीर्ष उद्योगपतियों के साथ संवाद करूंगा और सिडनी में एक विशेष कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुखातिब भी होऊंगा। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, यह यात्रा भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगी।

जी-7 को लेकर पीएम मोदी का किया जा रहा महिमामंडन : कांग्रेस

कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जी-7 शिखर बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने को लेकर बढ़ा-चढ़ा कर बातें की जा रही हैं ताकि फर्जी विमर्श गढ़ा जा सके। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि वाह-वाह करने से सिर्फ शासन की निरंतरता और पूर्व की सरकारों के योगदान को मिटाने का मकसद पूरा होता है। जयराम रमेश ने ट्वीट किया, जापान के हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले स्वयंभू विश्वगुरु के ईर्द-गिर्द प्रचार की फैक्ट्री ने नकली आख्यानों का निर्माण शुरू कर दिया है। हकीकत ये है कि, विकसित देशों के शिखर सम्मेलन 1976 में बहुत पहले शुरू हो गए थे। 2003 में पहली बार कुछ अन्य देशों के साथ भारत को आमंत्रित किया गया था। डॉ. मनमोहन सिंह नियमित रूप से ऐसे जी7+ शिखर सम्मेलनों में भाग लेते थे। इसलिए यह वाह-वाह करने से न सिर्फ द ग्रेट लीडर% के खुद के महिमामंडन का लक्ष्य पूरा होता है, बल्कि शासन की निरंतरता और पूर्व की सरकारों की योगदान को मिटाने का मकसद भी पूरा होता है।

जी-20 की बैठक से पहले जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा कड़ी

श्रीनगर। जी-20 की बैठक 22 मई से आरंभ हो रही है। तीन दिवसीय बैठक से पहले के एक दिन, 21 मई को भूला नहीं जा सकता जिसका जम्मू कश्मीर के आतंकवाद के दौर के इतिहास में अपना ही एक खूनी इतिहास है। जानकारी के लिए, वर्ष 2006 में 21 मई को श्रीनगर में कांग्रेस की रैली पर होने वाला हमला कश्मीर के इतिहास में कोई पहला हमला नहीं था। किसी जनसभा पर आतंकी हमले का कश्मीर का अपना उसी प्रकार एक रिकार्ड है जिस प्रकार कश्मीर में 21 मई को होने वाली खूनी घटनाओं का इतिहास है। आम कश्मीरी तो 21 मई को सताने वाला दिन कहते हैं जब हर वर्ष आग बरसती आई है। यही कारण था कि जी-20 की बैठक के लिए जो त्रिस्तरीय सुरक्षा प्रबंधों को अंतिम रूप दिया गया है उसमें 21 मई को भी मद्देनजर रखा गया है। हालांकि, इस बार किसी भी आतंकी या अलगाववादी ग्रुप ने 21 मई को हड़ताल का आह्वान नहीं किया है। कश्मीर में रैलियों और जनसभाओं पर हमले करने की घटनाएं वैसे पुरानी भी नहीं हैं। इसकी शुरुआत वर्ष 2002 में ही हुई थी जब पहली बार आतंकियों ने 21 मई के ही दिन श्रीनगर के ईदगाह में मीरवायज मौलवी फारूक की बरसी पर आयोजित सभा पर अचानक हमला बोल कर पीपुल्स कांफ्रेंस के तत्कालीन चेयरमैन प्रो अब्दुल गनी लोन की हत्या कर दी थी। वर्ष 2002 में ही उन्होंने करीब 14 रैलियों व जनसभाओं पर हमले बोले। इनमें 37 से अधिक लोग मारे गए थे। सबसे अधिक हमले 11 सितम्बर को बोले गए थे जिसमें तत्कालीन कानून मंत्री मुश्ताक अहमद लोन भी मारे गए थे। हालांकि उसी दिन कुल 9 चुनावी रैलियों पर हमले बोले गए थे जिसमें कई मासूमों की जानें चली गईं थीं। इतना जरूर है कि वर्ष 2006 में 21 मई को हुआ हमला कश्मीरियों को फिर यह याद दिला गया था कि 21 मई के साथ कश्मीर का खूनी इतिहास जुड़ा हुआ है। आतंकवाद की शुरुआत के साथ ही 21 मई कश्मीरियों को कचोटती रही है।

आज कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे सिद्धारमैया

राहुल और प्रियंका का हर वादा पूरा करेंगे सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार तो बन गयी, लेकिन अब पार्टी के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी, चुनावी वादों को पूरा करना। प्रदेश के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री बनने जा रहे सिद्धारमैया एवं डीके शिवकुमार कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित करने और मंत्रिमंडल के गठन पर नेतृत्व के साथ चर्चा करने के लिए राजधानी दिल्ली पहुंच चुके हैं। आपको बता दें कि सिद्धारमैया 20 मई को कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ डीके शिवकुमार भी शपथ लेंगे जो इस सरकार में उप मुख्यमंत्री के पद पर काबिज होंगे। दिल्ली पहुंचने के बाद कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिवकुमार ने मीडिया से बात की और कहा कि हम अपने नेताओं को आमंत्रित करने के लिए यहां आए हैं। हम गांधी परिवार और मल्लिकार्जुन खरगे को व्यक्तिगत तौर पर न्योता देंगे।

कैबिनेट की पहली बैठक में पांचों गारंटी पर फैसला

आगे डीके शिवकुमार ने कहा कि कैबिनेट के गठन को लेकर भी चर्चा करनी है। शिवकुमार का कहना है कि सरकार बनने के साथ ही पांचों गारंटी पर काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह डीके शिवकुमार या सिद्धारमैया की गारंटी नहीं है। यह कांग्रेस की गारंटी है। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और प्रियंका गांधी वाड्रा ने इन गारंटी की घोषणा की है। कैबिनेट की पहली बैठक में इसपर फैसला होगा।

जब शिवकुमार से सवाल किया गया कि विपक्ष के कौन से नेता शपथग्रहण समारोह में उपस्थित होंगे तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे इस मामले को देख रहे हैं। यहां चर्चा कर दें कि कांग्रेस विधायक दल की गुरुवार को हुई बैठक में सिद्धारमैया को औपचारिक रूप से नेता चुन लिया गया जिसके बाद उन्होंने राज्यपाल के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया।

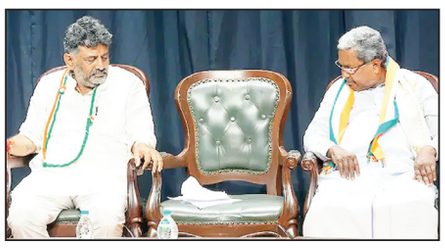

मंत्रिमंडल में मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34

उल्लेखनीय है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार शनिवार को बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में दोपहर साढ़े बारह बजे कुछ मंत्रियों के साथ शपथ लेंगे। सिद्धरमैया के सामने पहली चुनौती सही संतुलन के साथ मंत्रिमंडल के गठन की होगी जिसमें सभी समुदायों, धर्म, वर्गों और पुरानी तथा नयी पीढ़ियों के विधायकों का प्रतिनिधित्व हो। कर्नाटक मंत्रिमंडल में मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34 है और अनेक विधायक मंत्री पद की आकांक्षा रखते हैं।

शपथ से पहले फिर दिल्ली पहुंचे सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार

कर्नाटक के भावी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके डिप्टी डीके शिवकुमार पार्टी के आलाकमान के साथ कैबिनेट गठन को लेकर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे। दोनों के शपथ ग्रहण समारोह के लिए शीर्ष नेताओं को औपचारिक रूप से आमंत्रित करने की भी उम्मीद है। कांग्रेस ने गुरुवार को कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री के रूप में सिद्धारमैया के नाम की पुष्टि की और डीके शिवकुमार को सरकार में एकमात्र डिप्टी घोषित किया। कर्नाटक के मनोनीत डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने बताया कि हम अपने नेताओं को कल के लिए आमंत्रित करने आए हैं। उन्होंने आकर अपना पसीना बहाया और उचित दिशा दी। इसलिए, मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करना चाहता था।

खेल
प्रमुख समाचार

चेन्नई की निगाह प्लेऑफ में जगह बनाने पर

नईदिल्ली। करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में चेन्नई सुपर किंग्स शनिवार को यहां होने वाले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगा। दिल्ली की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है और वह जीत के साथ इस सत्र का समापन करके चेन्नई के समीकरण बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। चेन्नई की टीम अभी 13 मैचों में 15 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन दिल्ली के खिलाफ हार से उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना क्षीण पड़ जाएगी। इस मैच में जीत से चेन्नई का प्लेऑफ में स्थान पक्का हो जाएगा लेकिन वह दूसरे स्थान पर रहेगी या नहीं इसका निर्धारण लखनऊ सुपरजाइंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मैच से तय होगा। लखनऊ के भी 15 अंक हैं लेकिन चेन्नई का नेट रन रेट उससे बेहतर है। फिरोज शाह कोटला का विकेट धीमा है जो कि चेन्नई की रणनीति के अनुकूल है। राष्ट्रीय राजधानी में संभवतः अपना आखिरी मैच खेल रहे धोनी परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाने का प्रयास करेंगे। बल्लेबाजी चेन्नई का मजबूत पक्ष है। शीर्ष क्रम में डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड और अजिंक्य रहाणे टीम को अच्छी शुरुआत दे रहे हैं। अंबाती रायडू, रविंद्र जडेजा और मोईन अली को हालांकि बीच के ओवरों में शिवम दुबे का अच्छा साथ देने की जरूरत है। धोनी ने अंतिम ओवरों में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का अच्छा नमूना पेश किया है और टीम को कप्तान से फिर से इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में तुषार देशपांडे महंगे साबित हुए हैं लेकिन उन्होंने विकेट हासिल किए हैं जबकि श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई है। स्पिन विभाग में जडेजा, मोईन अली और महेश तीक्ष्णा ने भी अच्छा प्रभाव छोड़ा है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 298 अंक चढ़ा निफ्टी भी 18,200 के पार

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए। आज के कारोबार में सेंसेक्स 298 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 73 अंकों की बढ़त दर्ज की गई। कारोबार के अंत में निफ्टी 18,203.40 पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 297.94 अंक यानी 0.48 फीसदी मजबूत 61,729.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 61,784.61 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 61,251.70 तक आया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 73.45 अंक यानी 0.41 फीसदी चढ़ा। निफ्टी दिन के अंत में 18,203.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,218.10 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 18,060.40 तक आया।

अदाणी ग्रुप की कई कंपनियों को 10 अरब डॉलर का नुकसान

नईदिल्ली। अदाणी ग्रुप की मुसीबतें कम होती नहीं दिख रही हैं। इस कारोबारी हफ्ते के दौरान समूह को एक और झटका लगा है। अदाणी ग्रुप शेयर में गिरावट की वजह से अदाणी समूह की कंपनियों का बाजार मूल्य इस हफ्ते 10 अरब डॉलर तक कम हो गया है। एक्सपर्ट्स की मानें तो स्टॉक्स में ये दबाव एमएससीआई के उस कदम के बाद से देखने को मिल रहा है जब अदाणी ग्रुप की दो कंपनियों को इंडिया स्टैंडर्ड इंडेक्स से बाहर कर दिया गया। इसके बाद से ही स्टॉक से बड़ी संख्या मे रकम बाहर जाने की आशंका बनी हुई है। एक्सपर्ट्स का मानना ये भी है कि अदाणी ग्रुप ने हाल ही में जो रकम जुटाने की योजना पेश की है इस पर भी चिंताएं बनी हुई हैं। बता दें, एमएससीआई इंडिया इंडेक्स से अदाणी टोटल गैस और अदाणी ट्रांसमिशन को बाहर करने का फैसला लिया गया। ये फैसला इस महीने आखिरी तक प्रभावी हो जाएगा।

देश का रक्षा उत्पादन पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार

नईदिल्ली। देश का रक्षा उत्पादन पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का अस्थायी आंकड़ा 1,06,800 करोड़ रुपये रहा है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि रक्षा उत्पादन बढ़ाने के सतत प्रयासों से वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का कुल मूल्य पहली बार एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से अधिक रहा। मंत्रालय ने कहा, बीते वित्त वर्ष में रक्षा उत्पादन का मूल्य फिलहाल 1,06,800 करोड़ रुपये आंका गया है। निजी क्षेत्र की कुछ रक्षा इकाइयों से आंकड़ा मिलने के बाद इस मूल्य में अभी बढ़ोतरी होगी। इस तरह रक्षा उत्पादन में 12 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके पहले वित्त वर्ष 2021-22 में रक्षा उत्पादन 95,000 करोड़ रुपये से अधिक रहा था।

सुजलॉन को 69 मेगावाट पवन ऊर्जा का मिला कॉन्ट्रैक्ट

नईदिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी सुजलॉन को 69 मेगावाट का पवन ऊर्जा ठेका मिला है। उसे यह ठेका नॉर्डिक एनर्जी की भारतीय सहायक कंपनी से मिला है। सुजलॉन ने एक बयान में कहा कि यह ऑर्डर नॉर्डिक एनर्जी की भारतीय सहायक कंपनी से मिला है, जो 69 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए है। कंपनी ने हालांकि ठेके की राशि के बारे में नहीं बताया। सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे पी चलसानी ने कहा, हमें इस बात पर गर्व है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विख्यात नॉर्डिक एनर्जी ने यूरोप के बाहर अपनी पहली पवन ऊर्जा परियोजना के लिए सुजलॉन पर भरोसा जताया है। यह परियोजना कर्नाटक में स्थित है और इसके 2024 में चालू होने की उम्मीद है।

मजबूत बने रहेंगे भारतीय बैंक, त्रुटिहीन है देश का कारोबारी माहौल

सतीश सिंह

अमेरिका के दो बैंकों, सिलिकॉन वैली बैंक (एसवीबी) व सिग्नेचर बैंक और स्विट्जरलैंड के क्रेडिट सुइस बैंक के डूबने के बाद भारतीय बैंकों की मजबूती पर सवाल उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंक प्रमुखों से इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया है और रिजर्व बैंक भी भारतीय बैंकों के कारोबारी मॉडल पर नजर बनाए हुए है।

रिजर्व बैंक का मानना है कि विदेश के इन बैंकों के डूबने का कारण दोषपूर्ण कारोबारी मॉडल है। भारत की बैंकिंग प्रणाली कोरोना काल में भी मजबूत बनी हुई थी और अब भी मजबूत है, क्योंकि भारतीय बैंकों का कारोबारी मॉडल त्रुटिहीन है, इसलिए, अमेरिकी और यूरोपीय बैंकों के डूबने, महंगाई बढ़ने, भू-राजनीतिक संकट आदि का इस पर कोई प्रतिकूल प्रभाव देखने को नहीं मिला है।

अमेरिका का एसवीबी बड़े कारोबारियों से जमा लेने के अलावा स्टार्टअप कंपनियों, उद्यम पूंजीपतियों और प्रौद्योगिकी कंपनियों को कर्ज मुहैया कराता था, जबकि सिग्नेचर बैंक जमा लेने के अलावा रियल एस्टेट को ऋण देने का काम करता था। एसवीबी ने बैंकिंग उसूल के उलट एक ही सेक्टर को बहुत ज्यादा ऋण दे दिया था। बैंक ने अतिरिक्त जमा को लंबी अवधि के बॉन्ड में निवेश किया था, लेकिन बाद में भू-राजनैतिक संकट, महंगाई, ऋण ब्याज दरों में उछाल आदि की वजह से बैंक की परिसंपत्ति-देयता का संतुलन बिगड़ गया और बैंक ग्राहकों की नकदी जरूरतों को पूरा नहीं कर पाया।

इसी तरह सिग्नेचर बैंक के ग्राहकों द्वारा नकदी की ज्यादा निकासी की वजह से बैंक

के समक्ष तरलता का संकट पैदा हो गया, क्योंकि सितंबर, 2022 तक इस बैंक के पास कुल 103 अरब डॉलर जमा राशि में से एक चौथाई क्रिप्टो करेंसी का हिस्सा था और इसने भी एक विशेष क्षेत्र को ज्यादा ऋण दे रखा था। वहीं यूरोप का क्रेडिट सुइस बैंक भ्रष्टाचार की वजह से डूब गया। चूंकि इसके डूबने से स्विट्जरलैंड की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ सकता था, इसलिए, देश के सबसे बड़े बैंक यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड (यूबीएस) ने इसे अधिग्रहित कर लिया।

भारतीय बैंकों की परिस्थितियां अमेरिका और यूरोप के बैंकों से अलग हैं। भारतीय बैंक नियामक और खुद की नीतियों के अनुरूप काम कर रहे हैं और ये हर साल नई ऋण नीति बनाते हैं। इसलिए किसी भी कीमत पर ये किसी एक क्षेत्र या उद्योग को ऋण नहीं दे सकते हैं। नियामक भी बैंकों की कार्यप्रणाली की लगातार समीक्षा करता रहता है। भारतीय बैंक ग्राहकों की पूरी जमा राशि का इस्तेमाल ऋण देने में नहीं कर सकते हैं।

एक निश्चित राशि बैंकों को रिजर्व बैंक के पास सुरक्षित रखना होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च 2023 तक भारतीय बैंकों में जमा आम जनता के 98 प्रतिशत धन बीमित थे, इसलिए भारतीय बैंकों के डूबने पर भी भारत में शत-प्रतिशत आमजन का पैसा नहीं डूबेगा। सभी बैंक परिसंपत्ति-देयता के संतुलन को बनाकर काम करते हैं। रिजर्व बैंक बैंकिंग प्रणाली में तरलता को बनाए रखने के लिए हमेशा काम करता रहता है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय बैंकों और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की संपत्ति की गुणवत्ता 2023 में स्थिर बनी रहेगी और भारतीय बैंकों को सुचारू परिचालन से लाभ होगा। मूडीज ने विगत महीनों में नौ भारतीय निजी और सरकारी बैंकों की रेटिंग बढ़ाकर उसे आउटलुक निगेटिव से स्टेबल कर दिया है। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में बैंकों के कामकाज में सुधार के लिए, बैंकिंग नियमन अधिनियम और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में संशोधन करने का प्रस्ताव किया गया है और इसके अनुरूप बैंकिंग प्रणाली को बेहतर बनाने की लगातार कोशिश की जा रही है। विगत कई वर्षों से बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार द्वारा उठाए कदमों से बैंकों के मुनाफे में अभूतपूर्व इजाफा हुआ है और बैंकों की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी सुधार आया है। आगे भी भारतीय बैंकों के मजबूत बने रहने की प्रबल संभावना है।

महागठबंधन के लिए परेशानी खड़ी कर गए बाबा बागेश्वर

प्रवीण बागी

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री उर्फ़ बाबा बागेश्वर अपने पांच दिवसीय पटना दौरे के बाद वापस लौट चुके हैं लेकिन अपने पीछे %पागलों% की एक बड़ी जमात छोड़ गए हैं। अपने भक्तों को वे पागल कहकर संबोधित करते हैं। बाबा की हनुमंत कथा में उमड़ी लाखों की भीड़ ने राजनीतिक दलों को भी पगला दिया। उनके आने के पहले ही बिहार की राजनीति उनके समर्थन और विरोध में बंट गई थी। उनके दरबार में इतनी भीड़ उमड़ी जिसकी कल्पना किसी को भी नहीं थी। तमाम व्यवस्थाएं छोटी पड़ गईं। इस भीषण गर्मी में पीने के पानी के भी लाले पड़ गए लेकिन भीड़ पूरी तरह अनुशासित रही। इस भीड़ में हर जाति और वर्ग के लोग शामिल थे। उनके दरबार में 7 से 8 लाख लोग रोज आए। पटना से करीब 30 किलोमीटर दूर नौबतपुर के प्राचीन तरेत -पाली मठ में 13 से 17 मई तक बाबा बागेश्वर का दरबार सजा। बाबा की लोकप्रियता को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा के बड़े नेता जिसमें केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, गिरिराज सिंह, मनोज तिवारी आदि शामिल थे, ने मंच पर बाबा की आरती उतारी और कथा में मौजूद रहे। भाजपा कठिन परिश्रम के बाद भी ऐसा ध्रुवीकरण नहीं कर पाई जैसा बाबा ने भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग करके कर दी। इससे भाजपा स्वाभाविक रूप से धीरेन्द्र शास्त्री से जुड़ गई, जबकि राजद और जदयू ने दूरी बनाकर रखी। नीतीश सरकार के मंत्री और लालू प्रसाद के पुत्र तेज प्रताप यादव ने तो बाबा के आने के पहले से ही उनका विरोध करना शुरू कर दिया था। उन्होंने घोषित किया था कि बाबा ने अगर हिन्दू -मुस्लिम की बात की तो उनका पुरजोर विरोध होगा और हवाई अड्डे पर उतरने नहीं दिया जायेगा। लेकिन बाबा के स्वागत में उमड़ी भीड़ और कथाओं में अपने खर्चे से चलकर आए लाखों लोगों के आगे उन्होंने खामोश रहना ही बेहतर समझा। उनकी देखा देखी जदयू के भी इक्के -दुक्के नेताओं ने विरोध में बयान दिए। नीतीश कुमार ने आरम्भ में चुप्पी साधे रखी। बाद में कहा कि किसी के आने-जाने या अपने धर्म का प्रचार करने की सभी को आजादी है। किसी पर कोई रोक नहीं है। लेकिन देश का नाम कैसे कोई बदल देगा? संविधान में ऐसा मुमकिन नहीं है। ऐसे लोग क्या जानते हैं। ये आजादी के बाद जन्मी पीढ़ी है। संघर्ष के बाद सभी ने मिलकर संविधान बनाया है। राजद अपने आधार वोटों को लेकर कुछ ज्यादा ही चिंतित दिखी। हनुमंत कथा में अगड़े-पिछड़े सभी वर्गों के लोग आए थे। शायद यही राजद के लिए बेचैनी का सबब था। उसे अपना आधार वोट दरकता दिखाई दिया। हालांकि जदयू का रुख उससे भिन्न था। धीरेन्द्र शास्त्री के विरोध में वह उस तरह से आक्रामक नहीं थी जैसा राजद दिखी। राजद के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव तक ने विरोध में बयान दिए। नीतीश के करीबी और बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने जरूर शुरू में उनके दौरे को लेकर नकारात्मक टिप्पणी की लेकिन बाद में जब बाबा आए तो जदयू की ओर से कोई बयानबाजी नहीं हुई। शायद नेतृत्व ने इस मसले पर अपने नेताओं को खामोश रहने को कहा हो। इसके ठीक उलट, राजद की तरफ से रोज विरोध में बयानबाजी होती रही। इस दौरान लालू प्रसाद भी पटना में ही थे, लेकिन उन्होंने चुप्पी साधे रखी। हां पत्रकारों के पूछने पर उल्टा सवाल दाग दिया कि %कौन बाबा%? तेजप्रताप द्वारा बाबा का खुला विरोध करने की घोषणा के बाद उनके संगठन डीएसएस के कुछ लड़कों के साथ परेड करते हुए उनका वीडियो वायरल हुआ था। लेकिन सारी तैयारी धरी की धरी रह गई और बाबा लोगों को हिन्दू राष्ट्र बनाने का संकल्प दिला कर चले भी गए। अपार भीड़ के सामने आकर बाबा का विरोध करने का साहस तो कोई नहीं जुटा सका लेकिन रात के अंधेरे में उनके पोस्टर पर कालिख पोत कर और उसे फाड़ कर खीझ जरूर उतारी गई। इस पर बाबा ने चुटकी लेते हुए कहा कि पोस्टर तो हटा दोगे लेकिन बिहार के लोगों के दिल से मुझे कैसे हटाओगे? बाबा बागेश्वर के दौरे को लेकर बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन का अंतर्विरोध साफ-साफ नजर आया। महागठबंधन के ज्यादातर दल-जदयू, कांग्रेस और वामदल बागेश्वर धाम का सीधा विरोध करने से बचते रहे वहीं राजद ने जमकर विरोध किया।

गांधी परिवार ने नहीं की मनमानी

अजय सेठिया

कांग्रेस ने जिस तरह सिद्दारमैया को कर्नाटक का मुख्यमंत्री बनाया है, उससे एक बात साबित हुई है कि गांधी परिवार ने मनमानी नहीं की। जिस दिन कांग्रेस के तीन पर्यवेक्षक बेंगलुरु में कांग्रेस हाईकमान को अधिकृत किए जाने का प्रस्ताव पास करवाने गए थे, उस दिन कांग्रेस विधायकों की राय ली गई थी। वह कोई जुबानी राय नहीं थी, बल्कि सभी विधायकों से कहा गया था कि वे एक पर्ची पर अपनी पसंद का नाम लिखें। डीके शिव कुमार के पक्ष में 45 वोट पड़े थे, जबकि सिद्दारमैया के पक्ष में 85 वोट पड़े थे, बाकी पांच ने फैसला हाईकमान पर छोड़ा था। इसके अलावा तीन निर्दलियों ने कहा था कि वे कैसी भी परिस्थिति में समर्थन करेंगे। लोकतंत्र में यही सही तरीका है। गांधी परिवार डीके शिवकुमार को मुख्यमन्त्री बनवाना चाहता था, क्योंकि चुनाव जितवाने में उनकी अहम भूमिका थी। चार साल पहले जब कांग्रेस जेडीएस की साझा सरकार गिरी थी, उसी दिन डीके शिवकुमार ने सोनिया गांधी से वायदा किया था कि वह कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनवा कर दिखाएंगे। प्रदेश अध्यक्ष के नाते उन्होंने सिर्फ संगठनात्मक भूमिका नहीं निभाई, बल्कि अपनी जेब से पैसा लगा कर कांग्रेस को सत्ता तक पहुंचाया है।

कांग्रेस हाईकमान के पास चुनाव में खर्च करने के लिए कुछ नहीं बचा था। डीके शिवकुमार ने भरपूर खर्च किया है, इसलिए मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उनका पहला हक बनता भी था। लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने विधायकों के फैसले को सिर आंखों पर रखा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जब सारी स्थिति सोनिया गांधी के सामने रखी, तो सोनिया गांधी ने भी उन्हें यही कहा कि विधायकों की राय के मुताबिक़ ही फैसला होना चाहिए। कांग्रेस ने सबसे बड़ा सबक पंजाब से सीखा है। बैठे ठाले नवजोत सिंह सिद्धू के दबाव में अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया, जबकि उनके पास विधायकों का समर्थन था। फिर जब मुख्यमंत्री बदलने का फैसला हुआ, तो विधायकों की राय सुनील जाखड़ के पक्ष में थी, गांधी परिवार ने सिद्धू और अंबिका सोनी के दबाव में उन्हें इसलिए मुख्यमंत्री नही बनाया, क्योंकि वह हिन्दू हैं। फिर जो हुआ वह सबके सामने हैं। कांग्रेस बुरी तरह हार गई। इतना ही नहीं, कांग्रेस हाईकमान की मनमानी के कारण अमरिंदर सिंह और सुनील जाखड़ दोनों ही आज भारतीय जनता पार्टी में हैं। पंजाब जैसी ही गलती गांधी परिवार 25 सितंबर 2022 को राजस्थान में करने वाला था, जब सचिन पायलट के पास विधायकों का समर्थन नहीं होने के बावजूद राहुल और प्रियंका उन्हें मुख्यमंत्री बनवाने पर आमादा थे। सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनवाने के लिए राहुल और प्रियंका ने बहुत पापड़ बेले थे।

पहले उदयपुर के कांग्रेस शिविर में एक व्यक्ति एक पद का प्रस्ताव पास करवाया गया। फिर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष बनवाने की रणनीति बनाई गई, ताकि वह मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली करें, तो वह सचिन पायलट को सौंपी जा सके। गहलोत का कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में नामांकन होने से पहले ही राहुल गांधी ने नया नेता चुनने के लिए पर्यवेक्षक भेज दिए थे। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी अजय माकन ने बाकायदा कांग्रेस विधायकों पर दबाव बनाया था कि वे गहलोत के विकल्प के रूप में सचिन पायलट का नाम लें। लेकिन विधायकों ने स्पीकर को इस्तीफे सौंप पर यह सार्वजनिक कर दिया कि सचिन पायलट के पास बहुमत नहीं है। अगर वह सारा नाटक सचिन पायलट के लिए नहीं किया होता, और गांधी परिवार बहुमत के आधार पर नया मुख्यमंत्री चुनने देता, तब अशोक गहलोत मुख्यमंत्री पद छोड़ देते। लेकिन यह सिर्फ सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनवाने का एक नाटक था। वरना कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद भी मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में विपक्ष के नेता कैसे बने हुए हैं। अब कहां गया एक व्यक्ति एक पद? कांग्रेस ने पंजाब के बाद राजस्थान से भी सबक लिया हुआ है कि दिल्ली की सल्तनत अब कमजोर हो चुकी है, कांग्रेस के विधायक गांधी परिवार की मनमानी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसी सबक का ही नतीजा है कि 1200 करोड़ रूपए की सम्पत्ति और वोक्कालिंगा समुदाय का समर्थन होने और चुनावों में पानी की तरह पैसा बहाने के बावजूद डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री नहीं बन पाए।

अगर डीके शिवकुमार अपनी ही पार्टी के विधायकों पर भी कुछ पैसा लगा देते, तो वह मुख्यमंत्री बन सकते थे, लेकिन वह गांधी परिवार की तरफ से निश्चिन्त हो कर बैठे थे कि वह उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाएगा। जब वह किसी से नहीं मान रहे थे, तो आखिर बुधवार रात को सोनिया गांधी ने उन्हें फोन करके मनाया। बुधवार रात दो बजे तक मान-मनौवल चलती रही। दो बजे के बाद खबर आई कि डीके शिवकुमार मान गए हैं। सोनिया गांधी के मनाने पर डीके शिवकुमार मान गए थे, तो मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक और फच्चर फंसा दिया। वह एक दलित उप मुख्यमंत्री भी बनवाना चाहते थे। इस पर बात फिर बिगड़ गई, डीके शिवकुमार ने कहा कि वह तभी उपमुख्यमंत्री बनेंगे, जब सिर्फ वही एक उपमुख्यमंत्री हों। मल्लिकार्जुन खड़गे को झुकना पड़ा। इन दोनों घटनाओं से फिर साबित हुआ कि मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के कागजी अध्यक्ष हैं। बड़े फैसले गांधी परिवार ही कर रहा है।

2018 के राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद की स्थिति याद कीजिए। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल के सामने टीएस सिंहदेव दावेदार थे। तीनों मुख्यमंत्रियों का फैसला गांधी परिवार ने ही किया था। बघेल के ढाई साल पूरे होने के बाद टीएस सिंहदेव ने बहुत शोर मचाया कि उनके साथ ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनाने का वादा हुआ था। वह अपने विधायकों के साथ दिल्ली भी आ धमके थे, लेकिन जब दाल नहीं गली, तो वह शांत हो कर बैठ गए। मध्यप्रदेश में कमलनाथ के सामने ज्योतिरादित्य सिंधिया दावेदार थे। कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने पर किनारे हो रहे ज्योतिरादित्य ने अपने विधायकों के साथ बगावत करके सरकार ही गिरा दी। राजस्थान में अशोक गहलोत के सामने सचिन पायलट दावेदार थे। सचिन पायलट ने भी बगावत करने की कोशिश की, लेकिन अशोक गहलोत ने न सिर्फ उनकी बगावत फेल कर दी, बल्कि उनकी ऐसी मिट्टी पलीत की कि न वह उप मुख्यमंत्री रहे, न प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष। अब वह अपने कपड़े फाड़ते हुए सडकों की ख़ाक छान रहे हैं। उनके पास अपनी पार्टी बनाने के सिवा कोई चारा नहीं बचा।

अब बिलकुल वैसा ही वायदा डीके शिवकुमार के साथ हुआ है कि दो साल सिद्दारमैया को मुख्यमंत्री रहने दीजिए, फिर उन्हें मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। उन्हें आश्वासन दिया गया है कि सिद्दारमैया उसी तरह रिटायर हो जाएंगे, जैसे नरेंद्र मोदी ने येदियुरप्पा को करवाया था। क्या ऐसा हो पाएगा? क्या ऐसा पहले कभी हो पाया है?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

संन्यासोपनिषद् (भाग-12)

गतांक से आगे...

संन्यासी को दूसरे अन्य भूत-प्राणियों के कल्याण हेतु दीनता (दया) का आचरण करना चाहिए। पका हुआ या फिर बिना पका हुआ अत्र माँगने से संन्यासी निम्न गति को प्राप्त करता है। खाने-पीने वाले पदार्थों की सतत इच्छा रखने वाला एवं वस्त्रों में ऊनी वस्त्रों अथवा बिना ऊन से निर्मित वस्त्र, रेशमी वस्त्रादि वस्तुओं को स्वीकार करने से संन्यासी का निश्चित रूप से अधः पतन हो जाता है। उसे तो अद्वैतरूपी नौका में आसीन होकर जीवन मुक्ति की अवस्था प्राप्त कर लेनी चाहिए।

यदि वाणी को दण्ड देना हो, तो (संन्यासी को) मौन रहना चाहिए, काया (शरीर) को दण्ड देना हो, तो भोजन नहीं करना चाहिए अर्थात् व्रत-उपवास रखे और यदि मन को दण्ड देने की इच्छा हो, तो फिर प्राणायाम करना चाहिए। समस्त प्राणी कर्मों के द्वारा बन्धन में बँधते हैं और विद्या (आत्मज्ञान) के द्वारा मुक्ति को प्राप्त करते हैं। इसी कारण ज्ञानवान् संन्यासी कर्म से सर्वदा दूर रहते हैं। (छोटी-छोटी) गलियों (वीथियों) में बहुत सारे प्राचीन वस्त्र प्राप्त हो जाते हैं तथा भिक्षा भी सर्वत्र प्राप्त होती रहती है।

पृथिवी में चाहे जिस स्थान पर शयन करने हेतु स्थान मिल सकता है, तो फिर संन्यासी को और किस बात का दुःख है? संन्यासी को सभी तरह के प्रपञ्च अर्थात् माया को ज्ञानाग्नि में भस्म कर देना चाहिए। जो संन्यासी अपनी अन्तरात्मा में ज्ञानरूपी अग्नि को समारोपित कर लेता है, वही महान् ज्ञानी अग्निहोत्री कहलाता है। संन्यासियों की दो प्रकार की प्रवृत्ति होती है- 1. मार्जारी और 2. वानरी जो संन्यासी ज्ञान का अभ्यास करते हैं, उनमें मुख्य रूप से मार्जारी प्रवृत्ति होती है और गौण रूप से वानरी प्रवृत्ति होती है। (किसी व्यक्ति के बिना पूछे ही संन्यासी को नहीं बोलना चाहिए तथा अनीति एवं अन्यायपूर्वक प्रश्न करे, तब भी उसे नहीं बोलना चाहिए। ज्ञानवान् होकर भी संन्यासी को (जन सामान्य के समक्ष) मूढ़ के सदृश आचरण करना चाहिए।

यद्यपि किसी कारणवश पाप प्रसङ्ग उपस्थित हो जाए, तो बारह हजार की संख्या में तारक मंत्र का जाप करके, उस पाप को विनष्ट कर देना चाहिए। जो संन्यासी नित्य प्रतिदिन बारह हजार बार कार रूपी प्रणव मंत्र का जप करता है, उसे बारह मास के अन्दर ही अविनाशी परब्रह्म का (अपने इष्ट का) साक्षात्कार हो जाता है। ऐसी यह (रहस्यमयी संन्यास) उपनिषद् है।

प्रकृति प्रेम के कवि थे सुमित्रानंदन पंत

अंकित सिंह

हिंदी में छायावाद के चार स्तंभ माने जाते हैं। इनमें जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा का नाम आता है। आज हम बात प्रकृति के कवि सुमित्रानंदन पंत की करेंगे। सुमित्रानंदन पंत के बगैर आधुनिक हिंदी काव्य की कल्पना करना बेमानी होगी। सुमित्रानंदन पंत का जन्म 20 मई 1900 को अल्मोड़ा जिले के कौसानी गांव में हुआ था। वर्तमान में अल्मोड़ा उत्तराखंड में स्थित है। इनके पिता जी का नाम गंगा दत्त पन्त और माताजी का नाम सर सरस्वती देवी था। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सुमित्रानंदन पंत 1910 में ही अल्मोड़ा चले गए थे। यहीं उन्होंने अपना नाम गोसाईं तक से बदलकर सुमित्रानंदन पंत कर लिया था।

बाद में आगे की पढ़ाई के लिए सुमित्रानंदन पंत इलाहाबाद चले गए थे। हालांकि असहयोग आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के आह्वान के बाद उन्होंने महाविद्यालय छोड़ दिया तथा हिंदी, संस्कृत, बंगला, और अंग्रेजी भाषा का अध्ययन करने लगे। सुमित्रानंदन पंत के बारे में दिलचस्प बात यह है कि जब वे 7 वर्ष के थे और चौथी कक्षा में पढ़ते थे, तभी से उन्होंने कविता लिखनी शुरू कर दी थी। 1918 के आसपास उन्होंने हिंदी काव्य जगत में अपनी अलग पहचान बनाने की शुरुआत कर दी थी। 1926 में उनका प्रसिद्ध काव्य संकलन पल्लव प्रकाशित हुआ था।

सुमित्रानंदन पंत को प्रकृति से बहुत लगाव था। उन्होंने प्रकृति को लेकर कई कविताओं और रचनाओं को लिखा भी है। उनकी कविता ग्रामश्री प्राकृतिक प्रेम और ग्रामीण जीवन को दर्शाती है। इनकी लेखनी में तुकबंदिओ का खूब इस्तेमाल होता था। उन्होंने अपने काव्य में प्रकृति के कोमल भाव तथा मानवीय भावनाओं को अद्भुत तरीके से वर्णन किया। उनके लेखन शैली में सरलता और मधुरता दिखती है। वह सौंदर्य के उपासक थे। 1938 में इन्होंने प्रगतिशील मासिक पत्रिका रूपाभ का भी संपादन किया। श्री अरविंद के आश्रम में रहकर इनके अंदर आध्यात्मिक चेतना का विकास हुआ और यही कारण था कि वह आजीवन अविवाहित रहे। 1950 से लेकर 1957 तक आकाशवाणी में परामर्शदाता रहे। 1960 में कला और बूढ़ा चांद काव्य संग्रह के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1961 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से अलंकृत किया।

हिंदी के जानकार मानते हैं कि सुमित्रानंदन पंत के साहित्य की यात्रा में तीन अहम पड़ाव आए हैं। प्रथम- छायावादी, दूसरा- समाजवादी और तीसरा- अरविंद दर्शन से प्रभावित अध्यात्मवादी। तीनों ही शैलियों में सुमित्रानंदन पंत ने अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। उनका संपूर्ण जीवन सत्यम शिवम सुंदरम के आदर्शों से प्रभावित रहा। बावजूद इसके उनमें कई बदलाव देखे गए। सुमित्रानंदन पंत ने उच्छवास, पल्लव, वीणा, ग्रंथि, गुंजन, ग्राम्या, युगांत, युगांतर, स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि, कला और बूढ़ा चांद, लोकायतन, सत्यकाम, सौंदण, पतझड़, ज्योत्सना जैसे प्रसिद्ध काव्य संग्रहों को लिखा है। इसके साथ ही उनके कई लेख भी प्रकाशित हुए हैं। सुमित्रानंदन पंत की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे परंपरावादी आलोचकों और प्रगतिवादी तथा प्रयोगवादी आलोचकों के सामने कभी नहीं चुके। अपनी कविताओं में उन्होंने पूर्व मान्यताओं को कभी नकारा नहीं। सुमित्रानंदन पंत का निधन 28 दिसंबर 1977 को 77 वर्ष की उम्र में इलाहाबाद में निधन हो गया।

पश्चिम एशिया में भारत की बड़ी भूमिका

ओमैर अनस

परस्पर संबंधों को ठोस आधार देने के उद्देश्य से भारत, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात और इजरायल द्वारा गठित समूह 'आइ2यू2' को पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) का 'क्वाड' भी कहा जाता है। इसके तहत यह अवधारणा साकार करने का प्रयास हो रहा है कि भारत को पश्चिम एशिया में ऐसी शक्ति के रूप में स्थापित किया जाए, जिससे उस क्षेत्र में सुरक्षा का नया समीकरण बने तथा इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को नयी गति मिले। उस क्षेत्र में बड़ी संख्या में भारतीय कार्यरत हैं, तो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना भी इस पहल का हिस्सा है। कुछ समय से यह देखा जा रहा है कि अमेरिका समेत पश्चिमी देश मध्य-पूर्व में अपनी उपस्थिति को घटा रहे हैं। उनके लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण हो गया, जिस पर वे ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। वे अपनी ऊर्जा का अधिकाधिक उपयोग चीन के बढ़ते वर्चस्व को रोकने के लिए करना चाहते हैं।

ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि वे पश्चिम एशिया को किसके हवाले कर दें। जब से पश्चिम के इस क्षेत्र से हटने की चर्चा चली है, तब से चीन और रूस ने यहां अपनी सक्रियता और प्रभाव बढ़ाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। सीरिया की लड़ाई ने रूस को सामरिक दृष्टि से और चीन को आर्थिक दृष्टि से स्थापित होने का बड़ा अवसर दे दिया है। इस पृष्ठभूमि में अमेरिका और अन्य कुछ देशों के ध्यान में यह बात आयी कि पश्चिम एशिया में भारत को बड़ी भूमिका मिलनी चाहिए। यह कहा जाता रहा था कि किसी तरह की अग्रणी भूमिका के लिए भारत स्वयं को तैयार नहीं करता था। पश्चिम एशियाई देशों से जब सहयोग और सहकार बढ़ाने के आग्रह आते थे, तो भारत में इस तरह की भूमिका को लेने में हिचकिचाहट देखी जाती थी। लेकिन बीते आठ-दस वर्षों में भारतीय विदेश मंत्रालय और सामरिक रणनीतिकारों में यह सोच बन गयी है कि पश्चिम एशिया में सक्रियता के अलावा भारत के समक्ष अधिक विकल्प नहीं बचे हैं। अब यह समझ बन चुकी है कि पश्चिम एशिया की सुरक्षा और उसका विकास भारत के हितों से गहरे से जुड़े हुए हैं। इसका एक परिणाम 'आई2यू2' के रूप में हमारे सामने है। इसीलिए कई बार यह भी कहा जाता है कि यह केवल एक संगठनात्मक पहल ही नहीं, बल्कि दार्शनिक पहल भी है। इससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति को बहुपक्षीय आयाम देने में बड़ी मदद मिलने की संभावना है और इसमें भारत की उल्लेखनीय भूमिका होगी।

क्षेत्रीय स्तर पर देखें, तो संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ओमान, बहरीन आदि देशों के लिए यह पहल बहुत महत्वपूर्ण है। ये वे देश हैं, जहां लगभग अस्सी लाख भारतीय रह रहे हैं और विभिन्न प्रकार के पेशों से संबद्ध हैं। भारतीयों के बढ़ते महत्व को वहां के लोगों ने ठीक से समझ लिया है। पहले यह समझा जाता था कि अमीरात या सऊदी अरब जैसे बड़े देश अधिकतर मिस्र, पाकिस्तान, सूडान या सीरिया के कामगारों को प्राथमिकता देते थे, पर बीते दस-बारह वर्षों में बहुत सारे महत्वपूर्ण पदों पर भारतीयों को भी जगह मिलने लगी। अब जब सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भारत के लिए स्वीकार्यता बढ़ी है, तब वह अब सांगठनिक और सहकार के स्तर पर भी साकार होने लगा है। भारत और सऊदी अरब के संबंधों में बेहतरी की प्रक्रिया किंग अब्दुल्ला के दौर में 2006 की दिल्ली घोषणा और 2009 की रियाद घोषणा से शुरू हो गयी थी, जिसे बीते वर्षों में बड़ी गति मिली है। संयुक्त अरब अमीरात के साथ संबंधों में निकटता 2014 के बाद के प्रयासों का परिणाम है। इस संबंध में सामरिक सुरक्षा की दृष्टि से फ्रांस महत्वपूर्ण आयाम बनकर सामने आया है। ऐसी स्थिति में पश्चिम को यह समझ में आ गया है कि पश्चिम एशिया में अमेरिका, चीन और रूस के समकक्ष अगर कोई देश महत्वपूर्ण है, तो वह भारत ही है।

पश्चिमी देशों के लिए यह समस्या है कि वे इस क्षेत्र में चीन और रूस के साथ सहयोग करते हुए आगे नहीं बढ़ना चाहते तथा उनका बढ़ता वर्चस्व पश्चिम के लिए नुकसानदेह भी है। ऐसे में अगर भारत की भूमिका बढ़ती है, तो पश्चिम के हित, जैसे- ऊर्जा सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद पर नियंत्रण आदि, भी सुरक्षित रह सकते हैं। ऐसी पहलों को हमें गठबंधन की संज्ञा देने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए, लेकिन आपसी समझदारी लगातार बेहतर हो रही है। पिछले दिनों भारत, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने आपस में भी चर्चा की है तथा उन्होंने सऊदी अरब के होने वाले शासक प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से भेंट भी की है। इसमें मुख्य रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने और आवागमन के लिए व्यापक नेटवर्क बनाने पर बातचीत हुई है। इसका आधार यही है कि अब भारत को पश्चिम एशिया में एक नया इंफ्रा-रियल्टी बनाना चाहिए। इसका मतलब यह है कि उस बड़े इलाके में बहुत सारी चीजों की तुरंत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। अभी इसके लिए मुख्य निर्भरता वायु यातायात पर है। आबादी की बसावट बिखरी हुई है, रेगिस्तान हैं, रेल यातायात बहुत ही सीमित है। संयुक्त अरब अमीरात की मंशा यह है कि वह इस पूरे क्षेत्र के लिए पुनर्निर्यात का मुख्य केंद्र बने, यानी दुनियाभर से सामान वहां आये और फिर विभिन्न देशों में उसे भेजा जाए। अगर उसके संबंध इराक, जॉर्डन, सीरिया, तुर्की, ईरान आदि देशों से अच्छे हो जाएं, तो उसे आगे ले जाने के लिए जरूरी है कि आवागमन समेत हर तरह का इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित हो। पश्चिम एशिया को एक ऐसे सुरक्षा सहयोगी की जरूरत है, जो किसी संकट की स्थिति में वहां खड़ा हो सके। पहले यह स्थान अमेरिका के पास था, पर उसने कुछ वर्षों से यह संकेत दे दिया कि वहां के मसलों में उसका दखल नहीं रहेगा। ऐसे में उन देशों ने चीन की ओर देखना शुरू किया। चीन ने जिबूती में सैन्य ठिकाना बनाया है और सोमालिया से भी उसकी बातचीत चल रही है। चीन ने आर्थिक सहयोग की पेशकश भी की। पर उसके साथ, इसमें रूस को भी जोड़ लें, समस्या यह है कि उनसे सुरक्षा तो तुरंत मिल जायेगी, लेकिन इससे पश्चिम के साथ जो संबंध हैं, वे बिगड़ जायेंगे। ऐसे में पश्चिम और चीन के अलावा भारत भी सुरक्षा संबंधी मसलों में एक संभावित सहयोगी के रूप में सामने आया है और पश्चिम एशिया के देश उसकी ओर उम्मीद से देख रहे हैं। यह संतुलन उस क्षेत्र के लिए एक आदर्श स्थिति होगी।

बापू की दिनचर्या

रोगी-सेवा और चिकित्सा

रोगियों की चिकित्सा तथा उनकी प्रत्यक्ष सेवा-शुश्रूषा से ही बापू की दैनंदिन जीवनचर्या में निहित सार्वजनिक और सेवामय कार्यक्रम का श्रीगणेश होता। इससे उन्हें बहुत संतोष मिलता। इसे वे भगवान की सेवा समझते। अपंग या असहाय की सेवा को वे मानव-धर्म कहते और ऐसे ही जनों में उन्हें प्रभु का साक्षात्कार होता। वे निःस्वार्थ सेवाभाव के प्रतीक थे, सेवामूर्ति थे और दिखावे या स्वार्थ के लिए की जानेवाली सेवा को सेवक और सेव्य-दोनों के लिए अहितकर बताते। काका साहब कालेलकर के शब्दों में सहानुभूति मानो बापू का प्राण था । प्रेम और सेवाभाव के कारण ही उन्होंने रोगीसेवा की कला और उसका विज्ञान- दोनों हस्तगत किया। उन्होंने प्रयत्नपूर्वक यह सफलता प्राप्त की हो, ऐसा नहीं। उनके स्वाभाविक विश्वप्रेम का वह एक रूप था, उनकी स्वाभाविक सिद्धि थी, अनेक जन्मसंसिद्ध कमाई थी। निसर्गोपचार प्रणाली की रोगी- शुश्रूषा और बीमारों से उनकी मुलाकात आश्रम-जीवन का अत्यंत महत्त्वपूर्ण अंग था, जिसके द्वारा स्वयं रोगी और सेवक-दोनों को सहज ही विश्वजनीन प्रेममूलक आश्रमधर्म की दीक्षा मिलती। एक बार एक भाई से गंभीर नैतिक अपराध हो गया। बापू कड़े होकर उन्हें प्रायश्चित्त का मार्ग बता रहे थे। इसी बीच वे भाई बीमार पड़ गए। अस्वस्थता का समाचार मिलते ही बापू ने उनकी जिस प्रेम और अपनत्व से सेवा की, उससे सभी को- विशेषकर उन भाई को अत्यंत आश्चर्य हुआ। सज्जनों के प्रति प्रेम और दुर्जनों के प्रति उदासीनता या तटस्थता ऐसा भेद- भाव उनमें था ही नहीं। उनको भगवान ने मातृहृदय दिया था। उनकी आत्मशक्ति में मातृहृदय के सभी लक्षण दृष्टिगोचर होते। प्रभुदास भाई के अनुसार बापू ऐसे चिकित्सक थे कि उनके उपचार जिस मात्रा में प्राकृतिक चिकित्सा के थे, उससे कहीं अधिक मनःपूत थे और देह की अपेक्षा देही पर अधिक असर डालते थे। दक्षिण अफ्रीका में रहते और जुलू-युद्ध में घायलों की सेवा करते हुए बापू ने रोगी सेवा तथा परिचर्या का पूर्ण ज्ञान तथा अनुभव प्राप्त कर लिया था। वही बाद में उनकी दैनिकचर्या का अविभाज्य अंग बन गया। वहाँ उन्होंने एक भिक्षुक अपंग कुष्ठ रोगी को अपने कमरे में रखकर सेवा की। सन् 1904 में जोहांसवर्ग में प्लेग का भीषण प्रकोप हुआ। उस समय भी उन्होंने उसमें अपना बहुमूल्य योग दिया। वहाँ के फिनिक्स आश्रम के रोगी बाद में अच्छे परिचारक सिद्ध हुए और उन लोगों के हृदय में रोगीसेवा के प्रति प्रेम उत्पन्न हुआ। रावजी मणि भाई पटेल ऐसे लोगों में प्रमुख थे। **क्रमशः ...**

संक्षिप्त समाचार

भरोसे के सम्मेलन में शामिल होंगे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के विधानसभा क्षेत्र पाटन के सांकरा में 21 मई को भरोसे का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारी एवं समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पाटन में बैठक लेंगे। मुख्यमंत्री के विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का यह प्रथम प्रवास होगा। ग्राम सांकरा में कार्यक्रम स्थल पर व्यापक तैयारियां चल रही हैं। वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शाम 5 बजे बैंगलोर के लिए रवाना होंगे। श्री बघेल 20 मई को सिद्धरमैया के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत आज रहेंगे जिले के प्रवास पर

कोरबा। छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत 20 मई गुरुवार को कोरबा जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डॉ महंत उक्त तिथि को दोपहर 12 बजे सारागांव से प्रस्थान कर दोपहर 01:30 बजे कोरबा पहुंचेंगे एवं शाम 05 बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। 06 बजे कोरबा से जांजगीर जिले के ग्राम भैंसों (पामगढ़) के लिए प्रस्थान करेंगे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के भुगतान के लिए आधार सीडिंग अनिवार्य

जांजगीर-चांपा। वर्ष 2021-22 से भारत सरकार सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा छात्रवृत्ति का भुगतान आधार सीडिंग के आधार पर किया गया है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सत्र 2022-23 में विद्यार्थियों को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान आधार सीडेड बैंक खाता में किया जा रहा है, परन्तु अधिकतर विद्यार्थियों का बैंक खाता आधार सीडिंड नही होने के कारण छात्रवृत्ति भुगतान नही हो रहा है। अत: सर्व विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि तत्काल अपने बैंक खाता को संबंधित बैंक में जाकर आधार से सीडिंग कराना सुनिश्चित करें। छात्रवृत्ति स्वीकृत करने की अंतिम तिथि 25 मई निर्धारित की गई। उक्त तिथि तक आधार सीडिंग नही कराने पर विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित हो सकते है। विद्यार्थी अपने बैंक खाता को आधार से सीडिंग हुआ है अथवा नही इसकी जानकारी अपने छात्रवृत्ति हेतु प्राप्त आई.डी. से प्राप्त कर सकते है।

छत्तीसगढ़ में 24 घंटे में 24 कोरोना मरीज मिले

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना पर धीरे-धीरे लगाम लग रहा है। बीते कुछ दिनों से कोरोना के मरीज कम मिल रहे हैं। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटे में 24 नए कोरोना मरीज मिले हैं। वहीं 2297 सैम्पलों की जांच की गई है। इस दौरान औसत पॉजिटिविटी दर 1।04 प्रतिशत रही। सबसे ज्यादा 5 नए मामले दुर्ग जिले से सामने आए हैं। इसके अलावा रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या में भी लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। बीते 24 घंटे में प्रदेशभर से 56 मरीज स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज/रिकवर हुए। आज नए मरीज मिलने के बाद प्रदेश में सक्रिय कोरोना संक्रमितों की तादाद घटकर 277 रह गई है। रायगढ़ से 1, बिलासपुर से 1, सूरजपुर से 1, महासमुंद से 1, कांकेर से 1, दंतेवाड़ा से 1, बालोद से 1, बेमेतरा से 2, धमतरी से 2, रायपुर से 2, सरगुजा से 3, बलौदाबाजार से 3, दुर्ग से 5 कोरोना संक्रमित पाए गए और शेष जिलों में कोरोना का कोई मामला नहीं मिला है।

एनटीपीसी कोरबा पीआरओ की जिम्मेदारी संभालेंगी उष्मा घोष

कोरबा। एनटीपीसी कोरबा जनसंपर्क अधिकारी की जिम्मेदारी संभाल रहीं हिमानी शर्मा का स्थानांतरण दिल्ली हो गया है। उनके स्थान पर उष्मा घोष कोरबा पीआरओ की जिम्मेदारी संभालेंगी। गुरूवार को उन्होंने पदभार ग्रहण कर लिया। उष्मा घोष गत वर्ष सितंबर में एनटीपीसी सीपत में बतौर पीआरओ पदस्थ हुईं थी। कोरबा में उनकी दूसरी पोस्टिंग है। उनकी शिक्षा दिल्ली यूनिवर्सिटी व जेएनयू में हुई है। इसके अलावा बीजेएमसी की डिग्री के साथ ही दिल्ली में इकॉनोमिक्स टाईम्स में वे अपनी सेवाएं दे चुकी हैं।

रेणु जोगी को बेहतर इलाज के लिए आज ले जाएगा दिल्ली

रायपुर। कोटा विधायक डॉ. रेणु जोगी को बेहतर इलाज के लिए शनिवार की सुबह दिल्ली ले जाया जाएगा। रेणु जोगी पिछले कुछ दिनों से राजधानी के श्री नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती है जहां उनका इलाज चल रहा है। डा. रेणु जोगी के आज जारी स्वास्थ्य बुलेटिन में जानकारी दी गई है कि अत्यधिक कमजोरी, डिहाइड्रेशन और स्थिति भान्ति की अवस्था में श्री नारायणा हॉस्पिटल, देवेंद्र नगर, रायपुर में भर्ती किया गया था। चीफ इंटेनसिविस्ट डॉ. पंकज ओमर, न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. पंकज शाह, नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. कृष्णा सोमानी एवं अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में उनका सघन इलाज चल रहा है। बुलेटिन में बताया गया है कि डॉ. जोगी के रक्त में इलेक्ट्रोलाइट्स का संतुलन अब पहले से बेहतर है। डिहाइड्रेशन की अवस्था से भी अब वे बाहर आ गयी हैं। उनकी हालत स्थिर और सामान्य है। डॉ. रेणु जोगी की कुछ विशेष जाँच करवाने के लिए उनके परिवार के सदस्यों ने उन्हें कल नई दिल्ली ले जाने का निर्णय लिया है।

कांग्रेस राज में हालात बेकाबू : रंजना साहू

प्रदेश में पुलिस प्रताड़ना भी चरम पर पहुंच गया है, महिलाएं जहर खा रही हैं आत्महत्या की अनुमति मांग रही है

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता व विधायक रंजना साहू ने पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। श्रीमती साहू ने कहा कि एक ओर पुलिस प्रशासन पीड़ितों की रिपोर्ट दर्ज करने में आनाकानी करके उन्हें इंसाफ दिलाने में रुकावटें पैदा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर आला अफसरों की प्रताड़ना से तंग आकर विभागीय मातहत महिला पुलिस कर्मी को आत्मदाह की अनुमति मांगनी पड़ रही है। पुलिस की उदासीनता के कारण रायगढ़ में भाजपा महिला पार्षद ने जहर सेवन कर आत्महत्या की कोशिश की।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण, सुरक्षा और आत्म सम्मान के नाम पर केवल डींगे हाँक रही है। कांकेर के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ एक महिला पुलिस कर्मी ने विभागीय अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर कांकेर कलेक्टर से उनके ही दफ्तर के सामने आत्मदाह की अनुमति मांगकर प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन की पोल खोल दी है। महिला पुलिस कर्मी पद्मिनी साहू द्वारा विभागीय अधिकारियों पर लिंगभेद के आधार पर गलत नीयत से शोषण व मानसिक तौर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया जाना इसका प्रमाण है। श्रीमती साहू ने कहा कि जब विभागीय महिला कर्मियों को इतना प्रताड़ित किया जा रहा है, तो आम महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण की स्थिति का सहज की अनुमान लगाया जा सकता है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि भाजपा कार्यकताओं व महिला जनप्रतिनिधियों के प्रति भी चुन-चुनकर दुर्भावना का प्रदर्शन किया जा रहा है। रायगढ़ में भाजपा की महिला पार्षद पुष्पा निरंजन साहू को तो चुनाव में पराजित पक्ष द्वारा इतना प्रताड़ित किया गया कि उन्होंने जहर सेवन कर आत्महत्या की कोशिश की। इससे पहले पार्षद के पति के साथ मारपीट की गई थी। सालभर पहले रायगढ़ में ही कांग्रेस की महिला पार्षद संजना शर्मा ने भी जहर पीकर आत्महत्या कर ली थी। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का यह कैसा वीभत्स स्वरूप प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ को दिखाया है!

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्रीमती साहू ने कहा कि पुलिस प्रशासन को कांग्रेस कार्यकर्ता और थानों-चौकियों को कांग्रेस दफ्तर की तरह इस्तेमाल कर रही कांग्रेस की प्रदेश सरकार को इस बात पर भी शर्म महसूस करना चाहिए कि दुष्कर्म के मामलों में भी प्रदेश की पुलिस मशीनरी पूरी तरह संवेदनहीनता का परिचय दे रही है। श्रीमती साहू ने कहा कि बिलासपुर के सिविल लाइन थाने में दुष्कर्म पीड़िता को 10 घंटे तक पुलिस ने बिठाए रखा लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज तक नहीं की गई और फिर उसे बैरंग लौटा दिया गया। दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों की रिपोर्ट नहीं लिखने के ऐसे कई मामले पहले भी सामने आए हैं। श्रीमती साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आखिर कैसा नवा छत्तीसगढ़ रहे हैं, जहां न शासकीय महिला कर्मचारी, न महिला जनप्रतिनिधि और न ही दरिंदगी की शिकार आम पीड़ित महिलाओं की कोई सुनवाई हो रही है!

एड्समेटा घटना की न्यायिक जांच रिपोर्ट आ चुकी है, भूपेश सरकार करे कार्रवाई : गागड़ा

बीजापुर। एड्समेटा घटना को लेकर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने कांग्रेस सरकार को घेरा। कांग्रेस सरकार जनता को फिर एक बार गुमराह करने का काम किया। जिसे लेकर कांग्रेस सरकार पर जनता में नाराजगी हैं और आन्दोलनरत है। पूर्व मंत्री गागड़ा ने बताया कि एड्समेटा घटना की न्यायिक जांच रिपोर्ट आ गई है, रिपोर्ट में तमाम बिंदु हैं। सरकार को अभी तक कारवाई करना चाहिए था। उक्त बातें गुरूवार को भाजपा अटल सदन कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहीं।

आगे प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री महेश गागड़ा ने कहा एड्समेटा घटना पर बात करे तो कांग्रेस सरकार जब विपक्ष में थी। तब वर्तमान प्रभारी मंत्री कवासी लखमा व वर्तमान विधायक विक्रम मंडावी व कांग्रेस अन्य नेताओं, कार्यकर्ताओं का दल पीड़ितों से मिलकर कहा कि कांग्रेस सरकार आएगी तो हम उचित कार्रवाई करेंगे। न्यायिक जांच रिपोर्ट आ गई है।

प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व मंत्री गागड़ा ने कहा हर चीज पर एसआईटी जांच कर दस दिन में कार्रवाई करने की घोषणा पर पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष व वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अजर सरकार में हैं। सरकार बनाने के लिए कांग्रेस ने पीड़ित परिवार एवं बस्तर के आदिवासियों से कई तरह की घोषणा की थी। लेकिन उन घोषणाओं पर अमल नहीं होने का नतीजा सीलगेर, बुरजी, बेचापल, फुंडरी, बेदरे भानुप्रतापपुर, अंतागढ़ है। जहां आदिवासियों का आंदोलन चल रहा है। उन्होंने कहा इन आंदोलनकारियों से न तो कांग्रेस के लोग मिल रहे हैं और न ही प्रशासन पर बैठे मिल रहे हैं। सिर्फ़ आदिवासियों को गुमराह कर उन्हें उलझा के रखा गया है।पूर्व मंत्री गागड़ा ने कहा कि एड्समेटा घटना की न्यायिक जांच रिपोर्ट आ गई है, रिपोर्ट में तमाम बिंदु हैं। सरकार को अभी तक कारवाई करना चाहिए था। गागड़ा ने सरकार से मांग की है कि आपने आदिवासियों जो वादे किए थे, उसे पूरा करें।

दो दिवसीय गुनरस पिया संगीत समारोह 20 एवं 21 मई को

रायपुर। प्रसिद्ध संगीतशास्त्री पंडित गुणवंत माधवलाल व्यास जी की 84 वीं जयंती पर शास्त्रीय संगीत के समारोह ङ्कगुनरस पिया संगीत समारोह का भव्य दो दिवसीय आयोजन दिनांक 20 एवं 21 मई को रायपुर में आयोजित किया जा रहा है। दो दिवसीय समारोह में 20 मई की शाम स्थानीय वृंदावन सभागृह, सिविल लाइंस में स्ङ्कुरुके कार्यकारी निदेशक श्री अनीश कुमार भट्ट जी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समरोह में इंदौर घराने की डॉ पूर्वी निमगांवकर जी शास्त्रीय गायन प्रस्तुत करेंगी। वे प्रसिद्ध गायिका विदुषी अश्विनी भिड़े देशपांडे जी की शिष्या हैं। पूर्वी जी के साथ तबले पर अंचल के नामचीन तबला वादक तालमणि श्री अशोक कुर्म जी एवं हारमोनियम पर शास्त्रीय संगीत गुरु श्री लाला राम लोनिया जी संगत करेंगे। साथ ही सरोद जैसे कम सुने जाने वाले वाद्य यंत्र पर शास्त्रीय वादन प्रस्तुत करेंगे,खैरागढ़ विश्व विद्यालय के गुरु श्री विवेक नवरे जी, आपके साथ तबले पर होंगे श्री प्रांतिक फूकन जी आयोजन समिति के श्री दीपक व्यास ने बताया कि इसी कड़ी में 21 मई सुबह 10 बजे से शास्त्रीय एवं सुगम संगीत के गायकों हेतु आनंद समाज वाचनालय,ब्राह्मणपारा में एक वर्कशॉप आयोजित है जिसमें डॉ पूर्वी जी गायकों और साधकों को गायन के गुर सिखाएंगी। वर्कशॉप हेतु अग्रिम पंजीयन आवश्यक होगा। इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन द्वारा ग्राम महुदा के सेक्टर पर बैठक सम्पन्न

पाटन। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पाटन द्वारा ग्राम महुदा के सेक्टर पर बैठक सम्पन्न हुआ। जिसमे बैठक प्रभारी प्रशांत शुक्ला एवं युवा कांग्रेस अध्यक्ष सुमीत चंद्राकर उपस्थित रहेम् बैठक प्रारंभ करने से पहले सेक्टर प्रभारी युगलकिशोर साहू ने तालियों के माध्यम से स्वागत कराया। जिसके बाद प्रशांत शुक्ला ने बताया की आज बैठक अगामी चुनावी संदर्भ की तैयारी एवंआखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व मे दिनांक 21 तारिख होने वाले भरोसे के सम्मेलन पर रखा गया है जिसमे राष्ट्रीय नेताओ के साथ साथ भुपेश बघेल उपस्थित रहेंगे। जिसमे आप सभी कांग्रेस कार्यकर्ता साथी गण अधिक से अधिक संख्या पर अपनी उपस्थिति प्रदान करे साथ ही जनता से समक्ष सरकार की योजनाओं का जानकारी प्रेषित करते रहे और पाटन ब्लॉक मे राजीव भवन का निर्माण किया जा रहा है जिसमे बुथ प्रभारी से लेकर सेक्टर प्रभारी एवं अन्य कांग्रेस परिवार के साथीगण अंशदान की राशि सहयोग कर रहे है उसके लिए भी धन्यवाद ग्यापित कीया गया बैठक। मे प्रमुख रूप से पुर्व ग्राम प्रमुख महुदा रामबिशाल साहू मिडिया प्रभारी परस राम साहू नोहर यादव सदीप निर्मलकर जगदीश साहू बुथ प्रभारी रमन साहू भगवानी साहू ओमप्रकाश साहू सरपंच ढालसिह ठाकुर लखन कौशले जोहित साहू डोमार साहू अनिल साहू हरक विश्वकर्मा जितेंद्र धीवर रीकी धीवर गोलू धीवर जगदीश्वर साहू डिगेश्वर चक्रधारी भुषण पटेल प्रदीप धुरू सुकालू साहू रमेशर साहू मनोज नारंग अजय धीवर राजेंद्र धीवर लोकेश निर्मलकर एवं अन्य कांग्रेस जन उपस्थित थे।

कांग्रेस भवन हेतु ग्राम बोहारडीह में कांग्रेस की बैठक

पाटन में कांग्रेस भवन निर्माण हेतु ग्राम बोहारडीह में काँग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें कृषि उपज मंडी दुर्ग के अध्यक्ष अश्वनी साहू ने कार्यकर्ताओं को सहयोग राशि दान करने प्रेरित किया। उत्साहित कार्यकर्ताओ ने दान राशि की घोषणा की गई।इस अवसर पर महेश साहू सेक्टर प्रभारी, प्रेमलाल साहू ,थान सिंह साहू लक्ष्मी कांत साहू ,जैन लाल साहू उत्तम कुमार साहू , हीरा लाल साहू, वासुदेव साहू , तेजराम साहू सहित अन्य काँग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए।

पाटन नगर पंचायत के तीन वार्डो में काँग्रेस की बैठक सम्पन्न हुई

अंडा। नगर कांग्रेस कमेटी पाटन के वॉर्ड क्रमांक -1, 2 व 3 इंद्रानगर,राजीव चौक में कांग्रेसजनो की बैठक आयोजित की गई। जिसमे पाटन नगर में निर्माणाधीन राजीव भवन(कांग्रेस भवन) जो की पूर्ण रूप से कांग्रेसजनो के सहयोग से बन रहा इसी परिपेक्ष्य में वॉर्ड के कांग्रेस जनो से प्रदेश सहित नगर में हो रहे विकास कार्यों से अवगत कराया गया। साथ ही वॉर्ड वाशियो द्वारा राजीव भवन(कांग्रेस भवन)के लिए अपने सहयोग के लिए बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। बैठक कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जवाहर वर्मा (बैठक प्रभारी), भूपेंद्र कश्यप(अध्यक्ष नगर पंचायत पाटन), हेमंत देवांगन (अध्यक्ष नगर कांग्रेस कमिटी पाटन),तरुणबिज़ौर(अध्यक्ष चर्म शिल्पकार आयोग),पुरुषोत्तम कश्यप(सेक्टर प्रभारी),नीरज सोनी(अध्यक्ष नगर युवा कांग्रेस पाटन),कैलाश देवांगन (वॉर्ड पार्षद), लीलाधर वर्मा, सहित कांग्रेस जन शामिल हुए।

ओबीसी महासभा ने ओबीसी की राष्ट्रीय जनगणना एवं आरक्षण सहित 30 बिंदुओं पर सौंपा ज्ञापन

बालोद। ओबीसी महासभा छत्तीसगढ़ के आह्वान पर प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी राधेश्याम के नेतृत्व में अलग अलग बिंदुओं पर विगत 3 वर्षों से प्रतिमाह ज्ञापन कलेक्टर व एसडीएम तहसीलदार के माध्यम से छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिला में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री आदि के नाम सौंपा गया है। कवर्धा तहसीलदार को प्रदेश सचिव ओबीसी आनंद, जिलाध्यक्ष ओबीसी बालाराम, जीवन कौशिक उपाध्यक्ष, हरिश साहू उपाध्यक्ष, सनत साहू महामत्री, कौशल साहू संरक्षक, नरेश साहू, लाला कौशिक, चंद्रिका चंद्रवंशी, नरेंद्र चंद्रवंशी, रूपेश चंद्रोल कबीरधाम के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया।

राधेश्याम साहू ने बताया कि मई माह का ज्ञापन छत्तीसगढ़ प्रदेश के सभी जिलों में सौंपा गया ।ओबीसी के हित संरक्षण एवं संवर्धन हेतु शासन स्तर पर आवश्यक कार्यवाही हेतु बिंदुवार ज्ञापन सौपा गया। जिनका मुद्दा प्रमुख रूप से ये है। लंबित राष्ट्रीय जनगणना शीघ्र कराई जावे जिसमें ओबीसी के लिए पृथक से कोड नंबर निर्धारित हो ।उक्त आशय का प्रस्ताव केंद्र सरकार को अविलंब भेजे जाने ओबीसी समुदाय को आबादी के बराबर समानुपातिक संवैधानिक प्रतिनिधि आरक्षण, कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका ,मीडिया एवं सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के सभी उपक्रमों में प्रदान किए जाने विगत 30 वर्षों से लंबित 27 प्रतिशत आरक्षण राज्य में अविलंब लागू किये जाने एवं उक्त अवधि का बैकलॉग नियुक्तियां, मंडल कमीशन की सभी अनुशंसाओं को पूर्णत: लागू किए जाने हेतु प्रस्ताव केंद्र सरकार को अति शीघ्र भेजे जाने, छत्तीसगढ़ प्रदेश की राजधानी रायपुर में ओबीसी महासभा के लिए कम से कम 5 एकड़ भूमि तथा प्रत्येक जिला मुख्यालयों में ओबीसी महासभा के लिए भूमि एवं भवन आवंटित किए जाने, प्रत्येक तहसील मुख्यालयों में ओबीसी के लिए पोस्ट मैट्रिक एवं प्री मैट्रिक छात्रावास तथा जिला मुख्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक से सर्व सुविधा युक्त छात्रावास का प्रावधान राज्य छात्रवृत्ति में विसंगतियों को दूर करते हुए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की भांति समान शर्तों एवं दरों पर एवं केंद्र के समान ओबीसी को भी छात्रवृत्ति का प्रावधान मिले।

महापौर ने सड़क डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया

रायपुर। राजधानी के रिहायशी इलाके शैलेंद्र, नगर टैगोर नगर, बैरन बाजार क्षेत्र में तीन करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाली सड़कों के डामरीकरण कार्य का भूमि पूजन महापौर एजाज़ ढेबर एवं सभापति प्रमोद दुबे ने किया। गुरुवार को कटोरा तालाब संत कंवरराम गली नंबर एक से 11 तक एवं फन फिएस्टा उद्यान, एसबीआई गार्डन, भगत सिंह उद्यान के चारों ओर तथा टैगोर नगर के डॉक्टर मेमन नर्सिंग होम्स के चारों तरफ चतुर दिशा में सड़कों का जाल लगभग तीन करोड़ रुपए से बनाया जाएगा। सभापति प्रमोद दुबे ने बताया कि बैरन बाजार क्षेत्र के आशीर्वाद भवन के आसपास के क्षेत्र राम मंदिर क्षेत्र का भी संपूर्ण कार्य किया जाना है। उक्त सभी क्षेत्रों में 15 वर्ष बाद सड़क डामरीकरण का कार्य एवं सड़क को नवीनीकृत किए जाने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। सभापति श्री दुबे ने उक्त कार्य की स्वीकृति हेतु लोकनिर्माण मंत्री ताम्रध्वज साहू का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. गोपाल सुंदरानी, तेज कुमार बजाज, संत सिंह कोहली, बबला होतवानी, बाकर अब्बास, अप्पू वाडिया, राजू पंजवानी, सीए रवि ग्वालानी, अमरचंद, कैलाश चंदवानी, इंदु गोदवानी, अरुण पंजाबी, प्रदीप सिहानी, रिक्की जुदानी, घनश्याम मनवानी, मनोहर चंदवानी, राहुल पंजाबी, भूपेश सतपथी, धर्मेश सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित थे।

920 पदों पर होगी आईटीआई ट्रेनिंग आफिसर्स की भर्ती

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इन दिनों सरकारी नौकरियों की भरमार लगी हुई है। एक के बाद एक भर्ती खुल रही है। राज्य के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रशिक्षण अधिकारियों के 920 पदों पर सीधी भर्ती होगी। इसके लिए परीक्षा तिथि तय कर दी गई है। प्रदेश के 5 संभागीय मुख्यालयों में प्रशिक्षण अधिकारियों की भर्ती परीक्षा आयोजित की जाएगी।

प्रशिक्षण अधिकारी इंफारमेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नालॉजी सिस्टम मेंटनेंस की परीक्षा 7 जून को सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट की परीक्षा 7 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 तक, प्रशिक्षण अधिकारी इलेक्ट्रिशियन की परीक्षा 8 जून को सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी वायरमैन की परीक्षा 8 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी कारपेंटर की परीक्षा 9 जून को सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी टर्नर की परीक्षाएं 9 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक आयोजित कराई जाएंगी।

इसी प्रकार प्रशिक्षण अधिकारी ड्राईवर कम मैकेनिक की परीक्षा 12 जून को सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी मैकेनिक मोटर व्हीकल की परीक्षा 12 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी मेसन (बिल्डिंग कंस्ट्रक्टर) की परीक्षा 13 जून को सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी हॉस्पिटल हाउस कीपिंग की परीक्षा 13 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 4.15 बजे तक, प्रशिक्षण अधिकारी फिटर की परीक्षा 14 जून को सवेरे 10 बजे से दोपहर 12.15 बजे तक आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री भूमिहीन कृषि मजदूरों को 21 को देंगे इस वर्ष की प्रथम किश्त की राशि

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी के पुण्यतिथि के अवसर पर दुर्ग जिले के पाटन में आयोजित भरोसा का सम्मेलन में राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्र के हितग्राहियों को वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली किश्त की राशि जारी करेंगे। राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों के कुल 5 लाख 63 हजार 576 हितग्राहियों को पहली किश्त के रूप में 112 करोड़ 71 लाख 52 हजार रूपए की राशि जारी की जाएगी। योजना अंतर्गत प्रत्येक हितग्राही के बैंक खाते में 2 हजार रूपए के मान से पहली किस्त की राशि अंतरित की जाएगी।

प्रदेश की ग्रामीण और शहरी आबादी का एक बड़ा वर्ग आजीविका के लिए कृषि आधारित मजदूरी पर निर्भर है। धान की फसल के दौरान कृषि मजदूरों के लिए रोजगार की पर्याप्त उपलब्धता रहती है। किंतु रबी फसल की बुआई का क्षेत्र कम होने के कारण कृषि मजदूरी के अवसर कम हो जाते हैं। गांव और शहरी क्षेत्रों में चरवाहा, बढ़ई, लोहार, नाई, धोबी और पौनी-पसारी से जुड़े परिवारों के लिए अन्य लोगों की अपेक्षा रोजगार की उपलब्धता सीमित होती है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार ने भूमिहीन कृषि मजदूरों को आर्थिक रूप से संबल देने के उददेश्य से राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना की शुरूआत वर्ष 2021-2022 में की। योजना के माध्यम से कृषि मजदूरों की ग्रामीण आबादी को लाभ मिल रहा था किंतु कृषि मजदूरों की शहरी आबादी योजना के लाभ से वंचित थी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 25 मार्च 2023 को राजीव गांधी नगरीय भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना का शुभारंभ किया। राज्य के समस्त ग्राम पंचायत के साथ-साथ अब नगर पंचायत क्षेत्रों और सभी अनुसूचित क्षेत्रों में निवासरत बैगा-गुनिया, मांझी-पुजारी, हाट पहरिया, एवं बाजा मोहरिया को भी योजना में शामिल किया गया है।

राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के अंतर्गत अनुसूचित क्षेत्रों में रहने वाले 32 हजार 328 बैगा, गुनिया, मांझी, पुजारी तथा हाट पहरिया को भी वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली किस्त जारी की जाएगी। नगरीय क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों में 53 हजार 265 सामान्य हितग्राही तथा 737 बैगा, गुनिया हितग्राही शामिल है। इस प्रकार नगरीय क्षेत्र के भूमिहीन कृषि मजदूरों को कुल 54 हजार 02 हितग्राहियों को 10 करोड़ 80 लाख 04 हजार अंतरित किए जाएंगे। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के पात्र हितग्राही में 4 लाख 77 हजार 983 सामान्य हितग्राही और 31 हजार 591 बैगा, गुनिया को शामिल किया गया है। इस प्रकार कुल 5 लाख 9 हजार 574 हितग्राहियों को 101 करोड़ 91 लाख 48 हजार रूपए की राशि अंतरित की जाएगी।

राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के हितग्राहियों को पिछले 2 वित्तीय वर्षों में 476 करोड़ 68 लाख 32 हजार रूपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। जिसमें वर्ष 2021-22 में 3 लाख 55 हजार 402 हितग्राहियों को 140 करोड़ रूपये तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 4 लाख 99 हजार 756 हितग्राहियों को कुल 336 करोड़ 68 लाख 32 हजार रूपये खातों में अंतरित किये गये हैं। योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में 6 हजार रूपये प्रति हितग्राही प्रति वर्ष दिए जाने का प्रावधान था, जिसे बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 हजार रूपये प्रतिवर्ष किया गया है।

दियों को खुद बुझा कर रख दिया है...

हिमाचल, कर्नाटक की हार भाजपा के लिये बड़ा झटका है वैसे पिछले 4-6 सालों में हुए चुनाव परिणामों को देखा जाए तो केंद्र में करीब 9 साल से काबिज,विश्व की सबसे अधिक सदस्य होने का दावा करने वाली भाजपा छत्तीसगढ़, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, बिहार, झारखंड,तमिलनाडु, तेलंगाना, हिमाचल,महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, केरल, उड़ीसा, मेघालय, नागालैंड, मिजोरम और सिक्किम में हार चुकी हैं। यह बात और है कि विपक्ष से कुछ लोगों को लालच या दबाव में भाजपा में लाकर मप्र आदि में सरकार बनाने में सफल रही....? यह बात अलग है कि हारने के बावजूद कुछ राज्यों में सरकार बना ली है। कुछ छोटे राज्यों जैसे नागालैंड,मेघालय,मिजोरम में भाजपा गठबंधन सरकार का हिस्सा है। स्वतंत्र रूप से नहीं जीती हैं।दक्षिण भारत में मिली कर्नाटक की जीत के साथ के साथ कांग्रेस पार्टी अब कुल 7 राज्यों में सत्ता में आ गई है। 4 राज्यों में कांग्रेस अपने दम पर सत्ता में है उनमें छत्तीसगढ़,हिमाचल,राजस्थान और कर्नाटक शामिल हैं। इसके अलावा बिहार, झारखंड और तमिलनाडु में कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ सत्ता साझा कर रही है।

सीबीआई में यह प्रयोग है या संयोग.....

ज़ब भाजपा मप्र में हारी (बाद में कॉंग्रेस विधायक तोड़कर भाजपा की सरकार बनाई) तो एमपी कॉडर केआईपीएस ऋषि शुक्ला को सीबीआई का चीफ बनाया गया।भाजपा जब महाराष्ट्र में हारी तो महाराष्ट्र कॉडर के आईपीएस सुबोध जायसवाल को सीबीआई का चीफ बनाया गया।अब ज़ब कर्नाटक राज्य में हारी तो कर्नाटक कॉडर के प्रवीण सूद सीबीआई चीफ बनाये गये हैं ये संयोग है या प्रयोग.....?

सीएम हॉउस में गोपनीय बैठक और चर्चा .....?

अचानक बिना प्रोटोकॉल के छ्ग कॉंग्रेस प्रभारी कु. शैलजा का रायपुर आना,

सीएम हॉउस में भूपेश बघेल,डॉ चरणदास महंत, ताम्रध्वज साहू, टी एस सिंहदेव, कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित कुछ मंत्रियों की कुछ घंटो की गोपनीय चर्चा,रूद्र गुरु, ताम्रध्वज साहू का बैठक के बीच में निकल जाना चर्चा में है। सूत्र कहते हैं कि गुरु तो बैठक में आमंत्रित ही नहीं थे?वैसे जानकर संगठन,मंत्रिमंडल फेरबदल से भी जोड़ रहे हैं,वहीं ईडी के प्रदेश में लगातार सक्रियता पर भी रणनीति बनाने से भी जोड़ रहे हैंज क्या छ्ग में विस चुनाव के पहले कुछ नये प्रयोग हो सकते हैं.....?

छत्तीसगढ़िया बने सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस.....

छ्ग मूल के प्रारंभिक पढ़ाई करने वाले हिदायतउल्ला बाद में सर्वोच्च न्यायलय में चीफ जस्टिस बने थे उनके बाद छ्ग की माटी में जन्म लेने वाले जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बन गये हैं। 29 अगस्त 1964 को रायगढ़ जिले में जन्म लेने वाले प्रशांत ने बीएससी, एलएल बी करने के बाद वकालत शुरू की थी, ये छ्ग हाईकोर्ट में कार्यवाहक चीफ जस्टिस तथा आंध्र प्रदेश में चीफ जस्टिस रह चुके हैं।

आईएएस टुटेजा की सेवानिवृति और आगे ...?

छत्तीसगढ़ में भाजपा की डॉ रमन सिंह के कार्यकाल में जिस तरह आईआरएस अमन सिंह की एक तरफ़ा चलती थी कुछ

वही स्थिति भूपेश बघेल के कार्यकाल में प्रमोटी आईएएस अनिल टुटेजा की बन गई है। डॉ रमन सिंह के समय तो छ्ग में केंद्र द्वारा प्रतिनियुक्ति नहीं बढ़ाने पर अमन सिंह ने अखिल भारतीय सर्विस से इस्तीफा दे दिया था और रमन सिंह मंत्रिमंडल ने उनको संविदा पर रख लिया था, इधर अनिल टुटेजा अपनी उम्र के 60साल 20 मई को पूरे कर रहे हैं और नियमानुसार उन्हें 31 मई 23को सेवा निवृत होना है,हालांकि उन्हें संविदा नियुक्ति मिल सकती है? जैसे सेवानिवृत होने के बाद डॉ आलोक शुक्ला को संविदा मिल गई है।यहाँ यह बताना जरुरी है कि नान घोटाला में डॉ आलोक शुक्ला और अनिल टुटेजा दोनों आरोपी हैं और मामला विचाराधीन है। इधर अनिल टुटेजा के खिलाफ पहले आयकर छापा, फिर ईडी के छापे के बाद मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी की संभावना के चलते अनिल ने सुप्रीम कोर्ट से राहत भी हासिल कर ली है,ईडी के प्रेस नोट के अनुसार अनिल छ्ग में शराब घोटाले का सरगना हैं ? ऐसे में उनकी संविदा नियुक्ति हुई तो विपक्ष हंगामा तो निश्चित ही मचाएगा साथ ही कोर्ट भी जा सकता है? बहरहाल अनिल टुटेजा की छ्ग सरकार में अगली भूमिका पर सीएम भूपेश सरकार को ही अंतिम निर्णय लेना है।

और अब बस....

- रायगढ़ में मानस सम्मेलन में भी अब विपक्ष राजनीति खोज रहा है।
- बड़े से छोटे जिले के एसपी बनाये गये एक आईपीएस काफ़ी परेशान हैं क्यों....?
- छ्ग की नौकरशाही में ओडिसा लाबी आजकल कहां एक्टिव है?
- सीएम भूपेश बघेल के भेंट मुलाक़ात तथा विधायकों के रिस्पान्स की टोह लेने कुछ कांग्रेसी विधायक बेचैन हैं?ज़िन्दगी है तो नये ज़ख्म भी लग जायेंगे.....

निःशुल्क कला प्रशिक्षण कार्यशाला में उत्साह के साथ कलाकारों ने दिखाया अपना हुनर

रायपुर। सिनेमा, थिएटर व टैटू की कार्यशाला के दूसरे दिन विधायक श्री सत्यनारायण शर्मा ने नवोदित कलाकारों से मुलाकात की एवं उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रभावी प्रशिक्षण के उपरांत दुनियां के सामने लाकर रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करने अपनी शुभकामनाएं दी। नगर निगम के संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री आकाश तिवारी भी इस दौरान उनके साथ रहें और सभी कलाकारों को विश्वास दिलाया कि सफलता की उनकी हर ऊंची उड़ान में अभिनेता श्री भगवान तिवारी के प्रयासों को हर स्तर पर सहयोग दिया जाएगा। कार्यशाला में एक्टर भगवान तिवारी ने आज प्रतिभा संपन्न नवोदित व अनुभवी कलाकारों को थिएटर व सिनेमा में एक्टिंग की बारीकी बताते हुए कैमरे व मानवीय मनोभावों के जीवंत संपर्क को सरल शब्दों में समझाया।

रायपुर जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला खनिज न्यास संस्थान, नगर निगम, स्मार्ट सिटी के कौशल विकास उन्नयन कार्यक्रम के तहत एक्टर भगवान तिवारी व टैटू मास्टर शैली द्वारा स्थानीय शहीद स्मारक भवन में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। टैटू कला से अपना कैरियर तलाशने वाले कलाकारों के साथ ही साथ रंगमंच, थिएटर व सिनेमा की दुनियां की हर जरूरी विधाओं की बारीकियों से अवगत कराया गया। एक्टर भगवान तिवारी ने कलाकारों की प्रतिभा को अपने सामने मंच पर परखा, स्क्रिप्ट आधारित सब की प्रस्तुति से उनकी क्षमताओं का आंकलन किया, पटकथा व फिल्म निर्देशन जैसी विधाओं में अभिनय की समझ की चर्चा की, दर्शक के मन मस्तिष्क तक संवाद की स्थिति तक अभिनय को पहुंचाने की गहन भावों पर विस्तृत सुझाव दिए। एक्टर तिवारी ने इन कलाकारों से यह भी कहा कि अभिनय को भावनाओं के साथ उन ऊंचाईयों तक कलाकारों को ले जाना चाहिए, जहां दर्शक को कलाकार के भाव से स्वयं को जोड़ने में सहजता महसूस हो सके। इस कार्यशाला में टैटू की विभिन्न विधाओं का प्रारंभिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का असर

बीजापुर। जिले में एनीमिया एवं कुपोषण एक गंभीर समस्या है। कुपोषण एवं एनीमिया को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान आंगनबाडी केन्द्रो के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। अभियान अंतर्गत सभी स्तरों पर जनजागरूकता अभियान पोषण को लेकर किया जा रहा है। आंगनबाडी केन्द्र थानापारा फरसेगढ़ सेक्टर फरसेगढ़ परियोजना एकीकृत बाल विकास परियोजना कुटरू में मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के अंतर्गत 15 से 49 वर्ष की एनीमिक महिला के श्रेणी में आने वाली विजयलक्ष्मी जिनका का आंगनबाडी केन्द्र एक एनीमिक महिला के रूप मे

चिन्हांकित किया गया जिनका उम्र 27 वर्ष है। विजयलक्ष्मी को एनीमिक महिला के श्रेणी में नवम्बर 2021 में आंगनबाडी कार्यकर्ता श्रीमती मंजू राव के द्वारा केन्द्र फरसेगढ़ में दर्ज किया गया था उस समय विजयलक्ष्मी बारसे का हीमोग्लोबिन स्तर 7.5 ग्राम था, हितग्राही को आंगनबाडी केन्द्र में प्रतिदिन आने के लिए बताया गया और मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया और विजयलक्ष्मी प्रतिदिन आंगनबाडी केन्द्र आने लगीं और उनके द्वारा बताया गया।

भाजयुमो ने पीएससी कार्यालय का किया घेराव

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष रवि भगत के नेतृत्व में आज बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के साथ पीएससी कार्यालय का घेराव किया गया। प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने बताया कि जिस दिन से पीएससी का फ़ाइनल परिणाम आया है, तब से उम्मीदवारों में बहुत नाराजगी है। क्योंकि अनेक बड़े अधिकारियों ने अपने परिवार के सदस्यों को इस परिणाम में अधिकारी बनवा दिया गया। पीएससी के चेयरमैन ने अपने पुत्र को भी डेप्यूटी कलेक्टर बनवा दिया। कांग्रेस नेता के बेटी-दामाद, डीआईजी की बेटी ऐसे पूरे मेरिट लिस्ट में पूर्णता भ्रष्टाचार दिखाई दे रहा है।

श्री भगत ने बताया कि सालों से अभ्यर्थी लोग इस परीक्षा की तैयारी करते हैं, अपने भविष्य के लिए माता-पिता के सपने के लिए आज उन सब सपनों को भूपेश

बघेल सरकार ने चूर कर दिया है। इतनी बड़ी संस्थान जहाँ से लोग राज्य की तरक्की के लिए चुने जाते हैं, उस क्षेत्र को भी बदनाम कर दिया इस भूपेश सरकार ने। कांग्रेस मतलब भ्रष्टाचार ये सिद्ध हो चुका है। कोल, शराब,चावल,गोठान के बाद अब पीएससी घोटाला भी शामिल हो गया है।75-75 लाख में लोगों का भविष्य बेच दिया गया ऐसा जो आज एक बात सामने आ रही है। कितने मुश्किल से मा बाप अभ्यर्थी कर्ज ले कर के इस डिप्टी कलेक्टर,डीएसपी, वित्त अधिकारी आदि की पढ़ाई करता है। ये सारे सपने भूपेश सरकार ने बर्बाद कर दिए है। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल को कितना पैसा चाहिए, ऐसी कौन सी भूख है इनकी जो मिट नहीं रही?भूपेश सरकार में सिर्फ घोटाला घोटाला ही निकल रहा है। कांग्रेस पार्टी घोटाले वाले पार्टी है इनको सिर्फ जनता के पैसा से अपना जेब भरना है और कोई मतलब नही इनको। देश को 60 साल से ज्यादा लूटने के बाद भी भूख खत्म नहीं हो रही है इनकी जनता से किये हुए वादे से मतलब नहीं सिर्फ अपना जेब बैंक बैलेंस और गांधी परिवार का एटीएम बनने से मतलब है। एक परिवार की पार्टी से और कुछ उमीद कर भी नहीं सकते। इनको कोई शर्म नहीं है इनको सिर्फ पैसा चाहिए और गांधी परिवार के एटीएम है भूपेश बघेल ष्टरू का मतलब ही बदल दिया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

भाजयुमो को पीएससी दफ्तर नहीं बल्कि रमन सिंह का निवास घेरना चाहिये

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजयुमो को पीएससी दफ्तर नहीं बल्कि रमन सिंह के निवास को घेरना चाहिए और उनसे पूछना चाहिए कि 15 साल के भाजपा के

शासनकाल के दौरान अधिकारी, व्यापारी और राजनेता के पुत्र एवं आपस में भाई बहन पीएससी में सलेक्ट कैसे हो गये? पीएससी को लेकर भाजपा नेताओं के पास स्तरहीन झूठे आरोप के अलावा कोई तथ्य नहीं है। विपक्षी दल के द्वारा जो आरोप लगाए जा रहे हैं उसमें तनिक भी सच्चाई होती, उनके पास तथ्य होते तो वे प्रमाण देते ताकि उनके आरोपो का जांच करवाया जा सके। मुख्यमंत्री के द्वारा भाजपा से तथ्य मांगे जाने पर भाजपा के नेता अब गोलमोल जवाब दे रहे हैं इससे समझ में आता है कि भारतीय जनता पार्टी के पास झूठ के अलावा कुछ नही है। प्रदेश में भाजपा मुद्दाविहीन हो चुकी है इसीलिए हंगामा करके सिर्फ जनता का ध्यान आकर्षित करना चाहती है। भाजपा प्रदेश की महत्वपूर्ण संस्था राज्य लोकसेवा आयोग की विश्वसनीयता पर अपने राजनैतिक स्वार्थ के लिये सवाल खड़ा किया है।प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि रमन राज में 2005 में हुए पीएससी की गड़बड़ियों को प्रदेश की जनता भूली नहीं है।

सरकार की कोचियागिरी के कारण चारों तरफ अराजकता है : भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने महासमुंद जिले में सराईपाली के सिंघोड़ा में

माता-पिता और दादी की हत्या के जघन्य मामले को लेकर कहा है कि प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ को नशे के गर्त में इस कदर धकेल दिया है कि लोग इस लत के चलते अपने रक्त संबंधों का लिहाज तक नहीं कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार की कुनीतियों के चलते ऐसे मामलों का प्रदेश में सिलसिला चल पड़ा है।भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री शर्मा ने कहा कि जबसे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार सत्ता पर काबिज हुई है, प्रदेश शराब समेत तमाम नशीले पदार्थों के गोरखधंधे का पनाहगाह बना दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नशे के खिलाफ बड़बोलेपन का जब-तब खूब परिचय देते हैं, लेकिन शराब और मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध को लेकर उनके दोहरे राजनीतिक चरित्र से प्रदेश वाकिफ हो चुका है। श्री शर्मा ने कहा कि गंगाजल हाथ में लेकर पूर्ण शराबबंदी की कसमें खाने वाली कांग्रेस की प्रदेश सरकार अपने वादे से तो मुकर ही चुकी है, साथ-साथ प्रदेश को मादक पदार्थों के गोरखधंधे का अड्डा भी बनाकर रख दिया है। शराब में तो मुख्यमंत्री बघेल के संरक्षण में दो हजार करोड़ रुपए का शराब घोटाला तक हो गया।

भाजपा जीरम का सच रोकने का शुरू से षड़यंत्र करती है : कांग्रेस

रायपुर। जीरम कांड के संदर्भ में भाजपा द्वारा की गयी बयानबाजी पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने

कहा कि झीरम घाटी कांड एक ऐसा कांड था जिसने कांग्रेस के नेतृत्व की एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर दिया था। स्वतंत्र भारत में हुई दुर्दान्त और हृदय विदारक घटना भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में डॉ. रमन सिंह के राज में घटित हुई थी इसके गुनाहगारों को सजा जरूर मिलनी चाहिये।

कांग्रेस ने कहा कि भाजपा डरती है जीरम का सच सामने आ जायेगा तो वह बेनकाब हो जायेगी। रमन सिंह से बड़ा क्रूर शासक आजाद भारत में आज तक नहीं हुआ। एक साथ विपक्ष के 32 नेताओं की हत्या हो गयी और तत्कालीन सरकार सच सामने आने देन से रोकने में पूरी ताकत लगा रखी थी। भाजपा के बड़े नेता जीरम की जांच को रोकने लगातार कोशिशें करते रहे उसमें साफ है जीरम के पीछे तत्कालीन भाजपा सरकार की भूमिका संदिग्ध थी।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि आज भी छत्तीसगढ़ की जनता जानना चाहती है कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा को घोर नक्सल इलाके में ही क्यो हटाया गया था।

जाती हुई सरकार वसूली अभियान पर अटक गई है: संजय श्रीवास्तव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजयुमो के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा के सरगुजा संभाग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने भूपेश बघेल सरकार पर पीएससी घोटाले के साथ साथ व्यापमं घोटाले का आरोप लगाते हुए कहा कि युवाओं के साथ हुए इस चयन घोटाले में अदालत की शरण में जाने की जरूरत पड़ी तो निश्चित रूप से अदालत जाएंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार राज्य के युवाओं के कैरियर के साथ, उनकी जिंदगी के साथ जिस तरह खिलवाड़ कर रही है, उसके खिलाफ भारतीय जनता पार्टी मैदान में उतर रही है। पहले पीएससी की मेरिट लिस्ट में धांधली की गई। इसके बाद व्यापमं में पुलिस के सब इंस्पेक्टर की भर्ती में जिस तरह से खेल खेला गया, उसका नजारा स्पष्ट कर रहा है कि जाती हुई सरकार अब वसूली अभियान पर टिक गई है। भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव ने कहा कि परीक्षा में मेरिट बेस पर जो लिस्ट होती है वह सभी घोषित होती है। 20 परसेंट परीक्षार्थियों को मुख्य परीक्षा की सूची जारी की जाती है लेकिन प्रथम 20 परसेंट को छोड़कर निचले क्रम के जो लोग हैं, उनका नाम मेन परीक्षा में जोड़ा गया, जो आज चर्चा का विषय है। पीएससी हो या व्यापमं हो, हर भर्ती प्रक्रिया में खुले तौर पर भ्रष्टाचार चल रहा है। भाजपा इसके खिलाफ बड़ी लड़ाई लड़ेगी। छत्तीसगढ़ के युवाओं के साथ उनके कैरियर के साथ सरकार को खिलवाड़ करने नहीं दे सकते।।

भ्रष्टाचारियों को 2000 का नोट बंद होना रास नहीं आएगा, आम जनता के लिए कोई दिक्कत नहीं: अरुण साव

रायपुर। आरबीआई के फैसले पर छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा 30 सितंबर तक 2000 के नोट जमा करने के लिए जनता के पास पर्याप्त 127 दिन का समय है ऐसे में जनता के लिए किसी प्रकार की असुविधा वाली कोई स्थिति नहीं है।

श्री साव ने कहा यह फैसला उन लोगों के लिए दिक्कत भरा जरूर होगा जो अभी भी कैश के रूप में काला धन जमा करके रखते हैं और देश की अर्थव्यवस्था को खोकला करते हैं ,देश के विकास में बाधा बनते हैं ,यह नोट जब बैंकों में जमा करेंगे ,अगर वह अनअकाउंटेड है तो उन्हें उस पर टैक्स देना ही होगा आतंकवादी ,नक्सली या गलत उद्देश्य से पैसा जमा करने वालों के लिए यह फैसला परेशानी लेकर आएगा एवं जनता और देश के लिए यह फैसला लाभकारी साबित होगा। ऐसे फैसलों से जनता भ्रमित न हो यह जनता और देशहित में लिए गए फैसले है।

मध्यक्षेत्र का 20 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग हुआ प्रारंभ

- **संघ साधना में ध्येय का हो स्मरण - शिवराम समदरिया**

डोंगरगढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्यक्षेत्र का जिसमें संघ की भौगोलिक रचना से मध्यभारत, मालवा, महाकोशल व छत्तीसगढ़ (कुल 4 प्रान्त) का 20 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग, द्वितीय वर्ष (विशेष)टु 2023 का प्रशिक्षण वर्ग धर्मनगरी डोंगरगढ़ के सरस्वती शिशु मंदिर में प्रारंभ हो गया है। प्रशिक्षण वर्ग 18 मई को दोपहर से प्रारम्भ होकर इस प्रशिक्षण वर्ग का औपचारिक उद्घाटन समारोह आज शुक्रवार 19 मई 2023 को सुबह 09.30 बजे दीप प्रज्वलित कर भारतमाता के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए पूजन अर्चन के साथ सम्पन्न हुआ। इस उद्घाटन समारोह में मुख्यवक्ता संघ के

मध्यक्षेत्र के प्रचारक प्रमुख श्री शिवराम समदरिया जी थे। उन्होंने शिक्षार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि, संघ की साधना में सदा ध्येय का स्मरण रहना चाहिए। संघ के प्रशिक्षण में कुशल कार्यकर्ता का निर्माण होता है। सामान्य स्वयंसेवक का राष्ट्र कार्य के लिए कुशल कार्यकर्ता का निर्माण इस प्रशिक्षण वर्ग से होता है। प्रशिक्षण प्राप्त कर संघ साधना का ध्येय स्मरण करते हुए भारतमाता के श्री चरणों में स्वयं को समर्पित कर महान ध्येय की पूर्ति के लिए तैयार होता है। राष्ट्रीय पुनर्रचना हेतु देश के लिए महान कार्य का संकल्प लेकर स्वयं को तैयार करता है। साधना का संकल्प, गुणों का अर्चन, आध्यात्मिक शिक्षा, कार्य की कुशलता, निपुणता, स्वयं की समझदारी का विकास, शील और हम सब भारत माता के पुत्र के नाते हमारा कर्तव्य बोध आदि गुणों से संघ के प्रशिक्षण वर्ग से स्वयंसेवक तैयार होता है। शिक्षा, दीक्षा, व्यवहार, कैसा बोलता है, कैसा रहता है, कैसा चलता है तथा आचरण कैसा करता है आदि इन प्रशिक्षण वर्गों से सहज भाव से स्वयंसेवक की दृष्टि विकसित होती है। संघ के प्रशिक्षण वर्गों से कार्यकर्ता श्रद्धापूर्वक, प्रीतिपूर्वक व नीतिपूर्वक कार्य के लिए स्वयंसेवक सिद्ध होता है। विनम्रता का, सेवा का और कृतज्ञता का भाव स्वयंसेवकों के लिए आवश्यक है। इसलिए बनो और बनाओ को सामने रखकर संघ को जानना, संघ को समझना व संघ के लिए जीना हमारे आचरण में आना चाहिए। संत कबीर ने सबको साधु कहा है, साधु को बड़े व्यापक अर्थ में संबोधित किया है। समाज जन के प्रति यही भाव स्वयंसेवक के मन में सदैव रहना चाहिए।इस संघ शिक्षा वर्ग में सर्वाधिकारी मा. गिरीश उपासने जी, वर्ग कार्यवाह श्री रवि अग्रवाल जी, वर्ग के पालक अधिकारी श्री नागेंद्र वशिष्ठ जी है। इस द्वितीय वर्ष के विशेष वर्ग में मध्यक्षेत्र के चारों प्रान्तों से 244 शिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनकी आयु 40 से 65 वर्ष के बीच है।

सीएम की घोषणाओं पर तेजी से अमल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट-मुलाकात के दौरान की गई घोषणाओं पर जिला प्रशासन द्वारा तेजी से अमल किया जा रहा है। इस कड़ी में बेलतरा में एसडीएम बिलासपुर की साप्ताहिक लिंक कोर्ट सुविधा भी आज से शुरू हो गई। एसडीएम श्री श्रीकांत वर्मा ने आज तहसील कार्यालय बेलतरा में छत्तीसगढ़ महतारी की विधिवत पूजा-अर्चना कर काम-काज शुरू किया। उन्होंने दिन भर में आज लगभग डेढ़ दर्जन मामलों की सुनवाई की। इनमें राजस्व से जुड़े 12 और भू-अर्जन से संबद्ध 4 मामले शामिल है। उन्होंने आस-पास के गांवों से आये किसानों

और ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी। विदित हो कि एसडीएम बिलासपुर का अब प्रति सप्ताह शुक्रवार को तहसील कार्यालय में लिंक कोर्ट लगेगा। कलेक्टर श्री सौरभ कुमार ने मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुरूप इस आशय के आदेश जारी कर दिए हैं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने इस माह की 12 तारीख को बेलतरा में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की मांग पर सप्ताह में एक दिन एसडीएम का कोर्ट लगाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री की घोषणा पर ही पिछले साल 2022 में बेलतरा को पूर्ण तहसील का दर्जा हासिल हुआ है। इससे तहसील संबंधी तमाम काम बेलतरा में तो हो रही रहे थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.